CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 22 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, रविवार, 28 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

एक्सप्रेस न्यूज

पेपर लीकः प्रेस मालिक और कार्मिक गिरफ्तार

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामले का शनिवार को विवेचना कर रही पुलिस की विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए आरएमएस कंपनी लखनऊ के मालिक राजेश चौहान और प्रिंटिंग प्रेस के मुख्य कर्मचारी प्रदीप पाल तथा अन्य को सौदा करने के साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में प्रेस मालिक के साथ प्रेस का एक कर्मचारी के भी पकड़े जाने के साथ ही अब तक कुल 26 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने शनिवार को बताया कि यूकेएसएसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामले की मुख्यमंत्री धामी से शिकायत होने के बाद एसटीएफ को इसकी जांच सौंपी गई।

14 दिन में अपनी पार्टी बनाएंगे आजाद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद अपनी पार्टी शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसकी पहली इकाई 14 दिन में जम्मू-कश्मीर में शुरू की जाएगी। उनके करीबी जीएम सरूरी ने ये बात कही है। सरूरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की 5 अगस्त, 2019 से पहले की स्थिति की बहाली पार्टी के घोषणापत्र का हिस्सा होगी। गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस से इस्तीफा दिया था. पूर्व मंत्री जीएम सरूरी भी जम्मू और कश्मीर कांग्रेस के उन प्रमुख नेताओं में से हैं जिन्होंने बीते दिन गुलाम नबी आजाद के समर्थन में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। शुभचिंतकों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए 4 सितंबर को जम्मू आ रहे हैं।

पहाड़ियों पर रास्ता भटके पर्वतारोही को बचाया

जम्मू, (एजेंसी)। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवार जिले में शनिवार को भारतीय वायु सेना (आईएफ) ने सेना और प्रशासन की मदद से एक हंगेरियन ट्रेकर को बचाया, जो पहाड़ पर चढ़ने के दौरान खो गया था। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि दूल और भारतीय वायुसेना में तैनात राष्ट्रीय राइफल्स ने माछिल के बर्फीले और ऊपरी इलाकों में 30 घंटे तक खोज और बचाव अभियान चलाया। टीम बुडापेस्ट के अकोस वर्म्स (38) को सुमचम घाटी में उमासिला की पहाड़ियों से बचाकर लाए, जो काफी खतरनाक पहाड़ी मानी जाती है। उनका चिकित्सकीय परीक्षण किया गया। वर्म्स ने बताया कि पर्वतारोहण अभियान के दौरान वह रास्ता भटक गए थे और पांच दिनों तक बर्फीली हवाओं के बीच रहे।

हवाई अड्डे से 2.83 करोड़ का सोना बरामद

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित अन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सीमा शुल्क एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने यहां आने वाले श्रीलंका के यात्रियों के पास से 6.2 किलो सोना जब्त किया है। ये जब्ती पिछले पांच दिनों के दौरान हुई है और इसकी कुल कीमत 2.83 करोड़ रुपए है। आज यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि 22 अगस्त को खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने श्रीलंका की पांच महिला यात्रियों को रोका, जो यहां श्रीलंकाई एयरलाइंस की उड़ान से यहां पहुंची थीं। जांच के दौरान इनरवियर में छुपाए गए सोना, आभूषण और रबर के पेस्ट के रूप में मलाशय में छुपया गया सोना बरामद किया गया। इन महिलाओं के पास से कुल मिलाकर 770 ग्राम सोना बरामद किया गया, जिनकी कीमत 34.8 लाख रुपए है।

जस्टिस यूयू ललित ने ली मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ

राष्ट्रपति भवन में हुआ कार्यक्रम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस यूयू ललित ने शनिवार को शपथ ले ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। यह कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन में आयोजित हुआ। जस्टिस ललित भारत के 49वें चीफ जस्टिस हैं। शपथग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। न्यायमूर्ति ललित से पहले प्रधान न्यायाधीश के रूप में सेवाएं देने वाले न्यायमूर्ति एन वी रमना भी इस मौके पर मौजूद थे।

100 दिन से कम कार्यकाल वाले छठे प्रमुख है यूयू ललित- भारत के 49वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ग्रहण करने वाले न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित भारतीय न्यायपालिका के छठे ऐसे प्रमुख होंगे, जिनका कार्यकाल 100 दिन से कम होगा। न्यायमूर्ति ललित का कार्यकाल 74 दिन का होगा और वह आठ नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होते हैं। 25 नवंबर 1991 से 12 दिसंबर 1991 तक प्रधान न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति कमल नारायण सिंह का कार्यकाल 18 दिन था। वहीं, दो मई 2004 से 31 मई 2004 तक सीजेआई के रूप में सेवाएं देने वाले न्यायमूर्ति एस राजेंद्र बाबू का कार्यकाल 30 दिन का था। न्यायमूर्ति जे सी शाह 36 दिन तक प्रधान न्यायाधीश रहे। उनका कार्यकाल 17 दिसंबर 1970 से 21 जनवरी 1971 तक था। वहीं, न्यायमूर्ति जी बी पटनायक आठ नंवबर 2002 से 18 दिसंबर 2002 तक सीजेआई रहे। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उनका कार्यकाल 41 दिन का था। न्यायमूर्ति एल एम शर्मा का कार्यकाल 86 दिन रहा। वह 18 नवंबर 1992 से 11 फरवरी 1993 तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर थे।

न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ी हैं परिवार की चार पीढ़ियां

भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश बने जस्टिस यूयू ललित पर भले ही न्यायाधीशों की नियुक्ति से लेकर महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्नों जैसी चुनौतियां हों, लेकिन उनकी न्यायिक विरासत का अनुभव भी उनके पास होगा। दरअसल, चार पीढ़ियों से यूयू ललित का परिवार न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। दादा रंगनाथ ललित आजादी से पहले सोलापुर में एक वकील थे। जस्टिस यूयू ललित के 90 वर्षीय पिता उमेश रंगनाथ ललित भी एक पेशेवर वकील रह चुके हैं। जस्टिस ललित के एक बेटे श्रेयश ललित और उनकी पत्नी रवीना भी वकील हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में निर्मल की बड़ी जीत, निहारिका हारीं

यूनिवर्सिटी के बाहर निहारिका समर्थकों की भीड़, भारी पुलिस बल तैनात

जयपुर।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में निर्मल चौधरी ने अध्यक्ष पद पर बड़ी जीत हासिल की है। राजस्थान यूनिवर्सिटी में 1 बजे के बाद शुरू हुई काउंटिंग में सीधा मुकाबला त्रिकोणीय में बदल गया था। लेकिन निर्मल ने 1350 से ज्यादा वोटों से लीड बना ली थी। जब बंडलों की काउंटिंग की गई तो निर्मल काफी आगे निकल गए। वहीं दूसरे नंबर पर निहारिका जोरवाल रहीं। निर्मल चौधरी ने 4043, निहारिका जोरवाल ने 2578, रितु बराला ने 2010, नरेन्द्र यादव ने 988 वोट हासिल किए। उधर महाराजा में संदीप गुर्जर और कॉमर्स कॉलेज में आदित्य शर्मा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं। वहीं राजस्थान यूनिवर्सिटी 5 इयर लॉ में अभय चौधरी अध्यक्ष जीते हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में निर्मल चौधरी और निहारिका जोरवाल में जोरदार टक्कर बताई जा रही है। कॉमर्स कॉलेज के अंदर बंडलों की काउंटिंग जारी है। यूनिवर्सिटी पीआरओ का कहना है कि सारे प्रत्याशियों को उनके इनवेलिड वोट्स दिखा दिए गए हैं। कुछ ही देर में रिजल्ट बता दिया जायेगा। इस बीच यूनिवर्सिटी के सामने गांधी नगर थाने के पास भारी संख्या में निहारिका समर्थक मौजूद हैं। वहीं समर्थकों को रोकने के लिए बैरिकेड और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

राजस्थान कॉलेज से लक्ष्यराज चुण्डावत अध्यक्ष पद पद चुने गए हैं। वहीं राहुल चौधरी, उपाध्यक्ष, राहुल कुमार मीणा- जनरल सेकेटरी, संयुक्त सचिव पर रोहित चौधरी ने जीत दर्ज की है। इधर महारानी कॉलेज से मानसी अध्यक्ष जीती हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद पर कपिसा, महासचिव पद पर ज्योति राठौड़ और संयुक्त सचिव पद पर शहनाज बानो विजेता घोषित की गई हैं। हरिदेव जोशी पत्रकारिता यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद पर सोमू आनंद, उपाध्यक्ष पद पर सारा इस्माईल, महासचिव पद पर प्रीती बारहट, संयुक्त सचिव पद पर नेहा शर्मा ने जीत दर्ज की है।

मतगणना के लिए 107 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई

अब से अब से कुछ ही देर में कॉमर्स कॉलेज में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना की जाएगी। राजस्थान यूनिवर्सिटी द्वारा जहां मतगणना के लिए 107 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, वहीं इस दौरान कॉमर्स कॉलेज में उम्मीदवारों और उनके एजेंटों के अलावा किसी अन्य का प्रवेश नहीं होगा। मतगणना के दौरान पुलिस का भारी जाप्ता भी तैनात रहेगा। मतगणना के दौरान राविवि प्रशासन पूरी मतगणना की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी। एजेंटों और उम्मीदवारों की मौजूदगी में मतपेटियों की सील को खोला जाएगा। मतगणना के तुरंत बाद जीते हुए प्रत्याशी के नाम की घोषणा के बाद राविवि परिसर में शपथ दिलाई जाएगी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव के लिए 20,770 मतदाता लिस्ट जारी की गई थी। लेकिन वोटिंग के दौरान इनमें से सिर्फ 10,050 मतदाता ही अपने वोट का प्रयोग कर सकें। राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनावों के लिए शुक्रवार को मतदान संपन्न हुआ। विवि. में अपेक्स के लिए कुल 20 हजार 770 वोटर्स थे, जिनमें से 10 हजार 50 ने वोट डाला। वहीं, संघटक कॉलेजों की बात करें तो सबसे ज्यादा मतदान राजस्थान कॉलेज में हुआ। वहां पर 3336 में से 1939 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जबकि महारानी कॉलेज में 1689, कॉमर्स कॉलेज में 1400 और महाराजा कॉलेज में 1311 ने मतदान किया। ऐसे में अपेक्स पद के जिस भी प्रत्याशी को संगठित कॉलेजों में बढ़त मिलेगी। वह राजस्थान यूनिवर्सिटी का नवनिर्वाचित पदाधिकारी बनने के सबसे नजदीक होगा।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी बोले- गड़बड़ी की आशंका

राजस्थान यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव मतगणना में पहली बार मीडिया को दूर रखा गया है। वोटिंग शुरू होने के बाद किसी तरह की अनाउंसमेंट नहीं की जा रही। मतगणना स्थल पर राजस्थान यूनिवर्सिटी के फाइनेंस ऑफिसर की मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। छात्रसंघ प्रत्याशियों का कहना है कि उनकी मौजूदगी में ही मतपेटियां खुलने से लेकर खाली हों, तभी पारदर्शिता से काउंटिंग मानी जाएगी। एबीवीपी प्रत्याशी नरेन्द्र यादव ने कहा कि पहले इन्होंने बताया ही नहीं कि कितनी मतपेटियां हैं, अब 90 मतपेटियां बताई गई हैं। निर्दलीय प्रत्याशी निर्मल चौधरी ने आरोप लगाया है कि रजिस्ट्रार मैडम काउंटिंग की प्रक्रिया में गड़बड़ी कर रही है। जो निर्देश ऊपर से नीचे कर्मचारियों को दिए जा रहे हैं। उस पर काम नहीं हो रहा कर्मचारी मत पेटियों के साथ कुछ और कर रहे हैं। ऐसे में रिजल्ट में बड़ी गड़बड़ी हो सकती है।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में अध्यक्ष पद के लिए रितु बराला, निर्मल चौधरी और निहारिका जोरवाल में टक्कर मानी जा रही है। यहां अपेक्स पदों के लिए 23 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी समेत चार संघटक कॉलेज के साथ ही राजस्थान यूनिवर्सिटी में अपेक्स पदों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए 20 हजार 770 मतदाता थे।

सोनाली केस में होटल मालिक समेत दो और गिरफ्तार

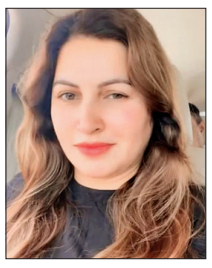

सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह 10 दिन की हिरासत में

पणजी, (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने शनिवार को भाजपा नेता एवं अभिनेत्री सोनाली फोगाट की मौत के मामले में कर्लीज रेस्तरां के मालिक एडविन नून्स और एक मादक पदार्थ तस्कर दत्ताप्रसाद गांवकर को हिरासत में लिया।

पुलिस इस मामले में सुश्री फोगाट के निजी सचिव सुधीर सांगवान और सुखविंदर सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनो को शुक्रवार को दस दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। दोनों 22 अगस्त को भाजपा नेता (42) को लेकर गोवा पहुंचे थे। उन पर अभिनेत्री को पेय पदार्थ में सिंथेटिक ड्रग मिलाकर देने का आरोप है।

पुलिस ने उत्तरी गोवा के अंजुना में रेस्तरां की पहली मंजिल को भी सील कर दिया। हरियाणा के हिसार की रहने वाली सुश्री फोगाट के शव को अंजुना के एक निजी अस्पताल में भेजा गया। पहले सूचना मिली थी कि भाजपा नेता की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है लेकिन पोस्टमॉर्टम में शरीर पर चोट के निशान पाए गए। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने का आश्वसान दिया है।

पीएम मोदी ने चलाया चरखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7,500 बहनों-बेटियों के साथ चरखे पर सूत कातकर नया इतिहास रच दिया है। श्री मोदी ने अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर खादी उत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के खादी उद्योग की बढ़ती ताकत के पीछे भी महिला शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। उद्यमिता की भावना हमारी बहनों-बेटियों में कूट-कूट कर भरी है। इसका प्रमाण गुजरात में सखी मंडलों का विस्तार भी है। उन्होंने कहा कि खादी सस्टेनेबल क्लोथिंग का उदाहरण है। खादी इको-फ्रेंडली क्लोथिंग का उदाहरण है। खादी से कार्बन फुटप्रिंट कम से कम होता है।

डीबी माल में सामूहिक नमाज पर मचा बवाल

बजरंगियों ने नारेबाजी कर किया भजन

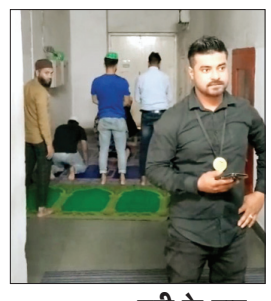

यूपी के बाद भोपाल में आया मामला सामने

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी भोपाल के डीबी सिटी मॉल में सामूहिक रूप से नमाज अदा करने का मामला सामने आया है। नमाज पर हिंदू संगठनों ने बवाल शुरू कर दिया। मॉल में सामूहिक नमाज अदा करने को लेकर हिन्दू संगठन ने आपत्ति जताई है। शनिवार को काफी देर तक हंगामा हुआ।सामूहिक नमाज़ अदा कर रहे नमाजियों के सामने बजरंग दल के कार्यकर्ता भजन करने बैठ गए। मॉल प्रबंधन से तीखी बहस के बाद मामला काफी गरमा गया। पुलिस प्रशासन को भनक तक नहीं लगी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओ ने माल में बैठकर भजन करते हुए प्रदर्शन किया। मप्र में पहली बार किसी मॉल में नमाज अदा की गई है। विभाग संयोजक बजरंग दल दिनेश यादव का कहना है कि हमें यहां सूचना मिली थी कि भोपाल के डीबी मॉल में चुपके से नमाज पढ़ी जा रही है। हमने खुद देखा। मैनेजर से पूछा तो उन्होंने नकार दिया। हमने चेतावनी दी है कि यदि ऐसा दोबारा होता है, तो डीबी मॉल के गेट के सामने बड़े स्तर पर हनुमान चालीसा किया जाएगा।

कार्यक्रम | **केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले, वैकल्पिक ईंधन पर ध्यान केंद्रित करें उद्योग**

कृषि के जरिए ऊर्जा क्षेत्र में आएगी क्रांति

मुंबई ■ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि भारत में पहले से बिजली की कमी है, इसलिए देश को कृषि के जरिए ऊर्जा और बिजली क्षेत्र में विविधता लाने की जरूरत है। अब समय आ गया है कि उद्योग भी बायोएथेनॉल द्वारा संचालित बिजली जनरेटर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके इथेनॉल की मांग बढ़ाएं।

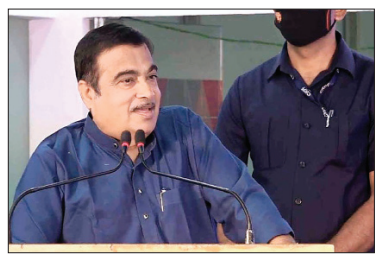

गडकरी ने मुंबई में राष्ट्रीय सह उत्पादन पुरस्कार 2022 के सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर हर साल 15 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। इसलिए, यह वह समय है जब हम कृषि के जरिए ऊर्जा और बिजली क्षेत्र में विविधता प्रदान कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने उद्योगों से प्रौद्योगिकियों की मदद से वैकल्पिक ईंधन पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारी 65 से 70 फीसद आबादी कृषि पर निर्भर है। वहीं हमारी कृषि विकास दर केवल 12 से 13 प्रतिशत है। ऐसे में हमारा अगला कदम चीनी से राजस्व बढ़ाने पर होना चाहिए। नितिन गडकरी ने कहा कि उद्योगों को कम चीनी और अधिक उप-उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए। इस साल देश को चीनी की आवश्यकता 280 लाख टन थी, जबकि उत्पादन 360 लाख टन से अधिक था। उन्होंने आगे कहा कि उद्योगों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों को अपनाना चाहिए।

जल्द देश में फ्लेक्स फ्यूल इंजन

गडकरी ने यह भी बताया कि सरकार ने देश में फ्लेक्स फ्यूल इंजन लॉन्च करने का फैसला किया है। बजाज, हीरो और टीवीएस पहले से ही फ्लेक्स इंजन बना रहे हैं। कई कार निर्माताओं ने भी फ्लेक्स इंजन पर अपने मॉडल लाने की बात कही है। ऑटो-रिक्शा भी बायो-एथेनॉल से चलाए जा सकते हैं, उद्योगों में भी इस वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जर्मनी ने बायो एथेनॉल से चलने वाली ट्रेन की तकनीक को परखा है। एथेनॉल का अत्यधिक परिष्कृत फार्म विमानन उद्योग में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वैमानिकी क्षेत्र इस पर शोध भी कर रहा है कि इसका इस्तेमाल व्यापक पैमाने पर कैसे किया जा सकता है। बायो-सीएनजी सीएनजी से काफी सस्ती है। इसे चावल की भूसे और जैविक नगरपालिका कचरे से भी बनाया जा सकता है। ये स्रोत बायो-सीएनजी को आर्थिक रूप से आकर्षक बनाते हैं।

धनकुबेर निकला एग्जीक्यूटिव इंजीनियर

पांच करोड़ कैश मिले: जमीन के कागजात, सोने-चांदी के आभूषण भी बरामद, करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

पटना/किशनगंज, (एजेंसी)। अवैध संपत्ति अर्जित करने वाले धनकुबेर अधिकारियों पर नकेल कसने के लिए निगरानी विभाग पूरी तरह सक्रिय है। शनिवार को किशनगंज में पदस्थापित ग्रामीण कार्य विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजय राय के पटना के रूपसपुर स्थित आवास में छापेमारी की गई। यहां से लगभग एक करोड़ रुपए कैश मिले हैं। जमीन के कागजात और ज्वेलरी बरामद किए गए हैं।

अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी कर आय के ज्ञात स्रोतों से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा किया है। छापेमारी का नेतृत्व कर रहे निगरानी विभाग के डीएसपी सुजीत कुमार ने बताया कि सुबह 10.30 बजे से छापेमारी की गई है। पटना के अलावा किशनगंज में भी छापेमारी जारी है। पटना स्थित आवास से काफी कैश मिला हैं, जो लगभग एक करोड़ के आसपास हो सकते हैं। अभी गिनती नहीं की गई है। साथ ही काफी मात्रा में सोने और चांदी के आभूषण भी बरामद किए गए हैं। बैंक डिटेल भी मिले हैं। इस दौरान इन ठिकानों से अभी तक कुल पांच करोड़ रुपए से अधिक नकद और आभूषण बरामद किए गए, जो उसके आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक हैं। तलाशी के दौरान भारी निवेश और कई बैंक खाते भी जब्त किए गए हैं।

कन्या राजकीय महाविद्यालय बहरोड़ से प्रियंका गुर्जर विजयी रही

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बहरोड़ की राजकीय कन्या कॉलेज के छात्र संघ चुनावों में निभोर गाँव की बेटी प्रियंका गुर्जर ने बाजी मारी । नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रियंका गुर्जर हिन्दू सेना प्रदेश उपाध्यक्ष जे पी गुर्जर व विक्रम गुर्जर की छोटी बहन है। अध्यक्ष पद प्रियंका गुर्जर अपने प्रतिद्वंद्वी से 4 वोटों से विजयी हुई । उपाध्यक्ष पद पर मोनिका गुर्जर निर्विरोध निर्वाचित हुई । दोनों प्रत्याशियों ने गाँव के साथ साथ समाज का भी नाम रोशन किया है । बहरोड कन्या महाविधालय में प्रथम बार चुनाव हुए है प्रथम बार में ही एक ही गाँव की एक ही परिवार की बेटियों ने बाज़ी मारी है । नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रियंका गुर्जर ने बताया कि मेरी इस जीत में मेरे भाई जे पी गुर्जर का महत्वपूर्ण योगदान है। मेरा भाई और उसकी पूरी टीम ने मिलकर मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है। इस जीत पर जे पी गुर्जर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जीतराम रावत ,शुधीर यादव ,प्रदीप भेड़ीं ,नरेंद्र गुर्जर संचालक श्री राम डिफ़ेंस अकेडमी ,अनिल गुर्जर,सुरेश गुर्जर सरपंच , कैलाश गुर्जर ,गौतम,सरजीत डेलिगेट,सन्जु गुर्जर, मिंटू गुर्जर, हवासिंह गुर्जर राकेश भेड़ीं ,हर्षित यादव ,निशांत यादव ,अंकित मोटा ,संदीप मोटू ,अंकुर गुर्जर आदि कार्यकता मौजूद रहे ।

जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे के द्वारा किया गया निरीक्षण

मरुधर /विशेष कैमरामैन शिवम रैकवार के साथ संवाददाता बृजेंद्र

जिले में किस तरह स्वास्थ्य शिक्षा बदहाल है जिले में ऐसे कई स्कूल है जहां पर आज भी शिक्षा में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है इसी को लेकर के जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे के द्वारा जगह-जगह जाकर के निरीक्षण किया जा रहा है । जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य ,व लोगो की मूलभत सुबिधाओं को लेकर स्कूलों व गांव गांव में हो रहे लगातार भ्रमण के दौरान जहां पर भी जो कमियां हैं उन सब के बारे में जानकारी ले रही है मीना राजे । आज निरीक्षण के दौरान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहन्द्रा व शासकीय उच्चतर विद्यालय कुआरपुर एवं कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास कुंवरपुर में जाकर पढ़ रहे बच्चों के प्रति उनको जागरूक करने का प्रयास किया गया । साथ ही शिक्षकों को उन्होंने निर्देशित किया कि स्कूल में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए व सभी शिक्षक समय पर शाला में उपस्थित हो । उनके द्वारा के द्वारा बताया गया कि हम स्कूलों में छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने का प्रयास कर रहे हैं । इसकी जानकारी हम शासन प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि कोई ऐसी अनहोनी घटना ना होने पाए । साथ ही स्कूलों में स्व सहायता समूह के माध्यम से, मिल रहा खराब खाना को ले करके भी उन्होंने जांच की ताकि बच्चों को अच्छी तरह से भोजन मिल सके । पूछने पर उन्होंने बताया कि जिले में हमारा प्रयास जारी रहेगा हम लोगों को उनकी मूलभूत सेवाएं व शासन की योजनाओं के लाभ के बारे में बताने का प्रयास करते रहेंगे ।

राजकीय महाविद्यालय मालाखेड़ा के गेट पर धरने पर बैठे छात्र

मालाखेड़ा (सतीश कुमार चौधरी)

मालाखेड़ा महाविद्यालय मालाखेड़ा में शनिवार को छात्र संघ चुनावों के परिणामों की घोषणा हुई तो छात्रों ने कथित रूप से धांधली का आरोप लगाते हुए चुनाव परिणाम को निरस्त कर दोबारा चुनाव कराए जाने की मांग की छात्रों ने रैली निकालकर कॉलेज प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए तथा अपनी मांगों को लेकर तहसीलदार व थाना अधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा गया तथा रात्रि के समय छात्र अपनी मांगों को लेकर राजकीय महाविद्यालय मालाखेड़ा के गेट के सम्मुख धरने पर बैठ गए तथा उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा तब तक धरना प्रदर्शन चलता रहेगा।

पंजाब के पटियाला से अंशु खन्ना को जी 2 कैटेगरी में मिला फॉरएवर मिस, मिसेज, व टीन 2022 सीजन 2 में सिटी विनर का विनिंग टाइटल।

मरूधर विशेष/जयपुर। राजधानी जयपुर में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से 19 से 22 अगस्त तक ऑनलाइन मोड पर हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट "फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2" का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के अलग अलग शहरों की सिटी विनर्स की ऑनलाइन तरीके से सैश, क्राउन, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट के साथ में घर बैठे उनके फैमिली मेंबर्स द्वारा क्राउनिंग की गई। जिसमें पंजाब के पटियाला से अंशु खन्ना को जी 2 कैटेगरी में सिटी विनर के टाइटल से सम्मानित किया गया। इस पूरे शो का लाइव टेलीकास्ट इस पेजेंट के ऑफिशियल एप्लीकेशन व यूट्यूब चैनल के जरिए किया गया। जिसके द्वारा पेजेंट की पार्टिसिपेंट्स के अलावा, मेम्बर्स व गेस्ट मेंबर्स ने भी क्राउनिंग को लाइव देखा। इसके साथ ही यह सभी सिटी विनर्स अगले राउंड में होने वाले स्टेट विनर्स के लिए एलिजिबल हो चुके हैं। चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में विनर्स की क्राउनिंग सेरेमनी के साथ साथ सॉन्ग लॉन्च, एक्ट्रेस लॉन्च, डांस परफॉर्मेंस जैसी अन्य एक्टिविटीज भी की गईं। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में हुआ अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार किया गया है और सबके द्वारा सराहा गया है।

दिल्ली के ईस्ट दिल्ली से विजया गांधी को जी 1 कैटेगरी में मिला फॉरएवर मिस, मिसेज, व टीन 2022 सीजन 2 में सिटी विनर का विनिंग टाइटल

मरूधर विशेष/जयपुर। राजधानी जयपुर में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से 19 से 22 अगस्त तक ऑनलाइन मोड पर हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट "फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2" का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के अलग अलग शहरों की सिटी विनर्स की ऑनलाइन तरीके से सैश, क्राउन, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट के साथ में घर बैठे उनके फैमिली मेंबर्स द्वारा क्राउनिंग की गई। जिसमें दिल्ली के ईस्ट दिल्ली से विजया गांधी को जी 1 कैटेगरी में सिटी विनर के टाइटल से सम्मानित किया गया। इस पूरे शो का लाइव टेलीकास्ट इस पेजेंट के ऑफिशियल एप्लीकेशन व यूट्यूब चैनल के जरिए किया गया। जिसके द्वारा पेजेंट की पार्टिसिपेंट्स के अलावा, मेम्बर्स व गेस्ट मेंबर्स ने भी क्राउनिंग को लाइव देखा। इसके साथ ही यह सभी सिटी विनर्स अगले राउंड में होने वाले स्टेट विनर्स के लिए एलिजिबल हो चुके हैं। चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में विनर्स की क्राउनिंग सेरेमनी के साथ साथ सॉन्ग लॉन्च, एक्ट्रेस लॉन्च, डांस परफॉर्मेंस जैसी अन्य एक्टिविटीज भी की गईं। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में हुआ अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार किया गया है और सबके द्वारा सराहा गया है।

सीडब्ल्यूसी की अहम बैठक आज,

अध्यक्ष के चुनाव कार्यक्रम को दी जाएगी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संगठन को मजबूत करने की कवायद के चलते कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की आज रविवार को अहम बैठक होगी, जिसमें पार्टी अध्यक्ष के चुनाव से जुड़े कार्यक्रम को मंजूरी दी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि इस ऑनलाइन बैठक में अध्यक्ष के चुनाव के विस्तृत कार्यक्रम को स्वीकृति देने के साथ ही सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में विश्वास प्रकट किया जा सकता है। यह गुलाम नबी आजाद के पार्टी से इस्तीफे के संदर्भ में महत्वपूर्ण होगा। आजाद ने शुक्रवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था और आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेतृत्व आंतरिक चुनाव के नाम पर धोखा दे रहा है। उन्होंने राहुल गांधी पर 'अपरिपक्व और बचकाने' व्यवहार का आरोप भी लगाया था।

कांग्रेस ने उन पर पलटवार करते हुए पार्टी को धोखा देने का आरोप लगाया था और कहा था कि उनका 'डीनएन मोदी-मय' हो गया है। सीडब्ल्यूसी की इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले कांग्रेस सूत्रों ने यह भी बताया कि अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया को पूरा होने में पहले से निर्धारित कार्यक्रम के मुकाबले कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है, क्योंकि पार्टी का ध्यान इस समय 'भारत जोड़ो यात्रा' पर केंद्रित है तथा कुछ राज्य इकाइयां जरूरी औपचारिकताएं पूरी नहीं कर पाई हैं। पिछले साल सीडब्ल्यूसी ने जिस कार्यक्रम को मंजूरी दी थी, उसके मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच पूरी की जानी थी।

सीडब्ल्यूसी ने पिछले साल फैसला किया था कि ब्लॉक कमेटियों के लिए चुनाव 16 अप्रैल से 31 मई तक होंगे, जिला कमेटियों के अध्यक्षों के चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच कराए जाएंगे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्यों के चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त के बीच एवं एआईसीसी अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि प्रक्रिया में कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है और अक्टूबर में पार्टी को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जाना चाहिए। कांग्रेस इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' की तैयारी कर रही है। इस यात्रा के दौरान करीब पांच महीने में दक्षिण में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। यह 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरेगी। साथ ही विभिन्न राज्यों में छोटे स्तर पर 'भारत जोड़ो यात्राएं' निकाली जाएंगी।

सीडब्ल्यूसी की बैठक ऐसे समय होगी, जब सोनिया चिकित्सा चिकित्सा जांच के लिए विदेश में हैं। उनके साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा भी गए हैं। सूत्रों ने बताया कि ये तीनों शीर्ष नेता सीडब्ल्यूसी की ऑनलाइन बैठक में भाग लेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत कई नेता सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभालने की अपील कर रहे हैं, हालांकि इस मुद्दे पर अनिश्चितता बरकरार है। कुछ पार्टी नेताओं की माने तो राहुल गांधी अपने इस रुख पर कायम हैं कि वह कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेंगे।

गहलोत ने बुधवार को इन खबरों को खास तवज्जो नहीं दी थी कि वह कांग्रेस अध्यक्ष पद के सबसे प्रमुख दावेदार हैं। उन्होंने कहा था कि अंतिम क्षण तक राहुल गांधी को पार्टी की कमान दोबारा संभालने के लिए मनाने का प्रयास किया जाएगा। गहलोत की यह टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात के एक दिन बाद आई थी। मुलाकात के बाद यह चर्चा शुरू हो गई थी कि इसमें गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाने पर चर्चा हुई होगी। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया गांधी पार्टी की कमान संभाल रही हैं।

राहुल गांधी पर कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए दबाव बनाएंगे, मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया दावा

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कांग्रेस पार्टी से गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफा दे दिया। आजाद के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने उनपर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि वह पिछले काफी समय से बीजेपी के पक्षधर हो गये थे। गुलाम ने कांग्रेस को अपनी राजनीतिक सफर का एक लंबा वक्त दिया हैं। आजाद ने उस वक्त तक पार्टी का साथ दिया जब वह लगातार चुनाव हार रही थी और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता पार्टी छोड़कर भाग रहे थे। 2014 के चुनाव में कांग्रेस की स्थिति बेहद खराब हो गयी थी और तब से लेकर आजतक रोजाना खराब ही हो रही हैं। आजाद ने आरोप लगाया कि पार्टी में राहुल गांधी ने उन्हें साइडलाइन किया। कई वरिष्ठ नेताओं की बात को अनसुना किया गया। कांग्रेस के कई बड़े नेता नाराज हैं और सोनिया गांधी से वह इस बारे में कई बार चर्चा भी कर चुके हैं। एक लंबी चर्चा के बाद सोनिया गांधी ने राहुल गांधी की पार्टी अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कि थी लेकिन साल 2019 में लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राहुल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और एक बार फिर से सोनिया गांधी को कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया था। अब पार्टी के निर्णय सोनिया गांधी लेती है लेकिन माना जा रहा है कि वह निर्णय राहुल गांधी के विचारों से ही प्रेरित रहते हैं। ऐसे में पार्टी के कुछ नाराज नेताओं का आरोप है कि राहुल गांधी अपने पक्ष के नेताओं की बात ही पार्टी में सुनते हैं और वरिष्ठ नेताओं को साइडलाइन करते हैं। अब आजाद के बाद माना जा रहा है कि कई और नाराज नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम. मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राहुल गांधी की कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में वापसी के लिए प्रयास किया जाएगा, क्योंकि पार्टी में उनके अलावा कोई ऐसा नहीं है जिसकी अखिल भारतीय अपील हो। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पार्टी का नेतृत्व करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को पूरे देश में जाना जाना चाहिए और उसे कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर और पश्चिम बंगाल से गुजरात तक समर्थन प्राप्त होना चाहिए। खड़गे ने शुक्रवार को यहां कहा, ''वह (कांग्रेस अध्यक्ष को) पूरी कांग्रेस पार्टी में जाना-पहचाना, स्वीकृत व्यक्ति होना चाहिए।

बिहार में लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, सिंतबर में सीमांचल का दौर कर सकते हैं शाह और नडडा

सिंतबर से केंद्रीय नेताओं का बिहार दौरा होगा शुरु

पटना (एजेंसी)।

बिहार में एनडीए गठबंधन टूटने के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 और विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियां तेज कर दी हैं। संगठन को मजबूती देने के लिए बीजेपी के आला नेता राज्य का दौरा करने वाले हैं। बिहार में जल्द बीजेपी के कद्दावर नेताओं के आने का सिलसिला तेज होने वाला है। इसी कड़ी में अगले महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य का दौरा कर सकते हैं। 15 सितंबर से पहले केंद्रीय मंत्री शाह का असदुद्दीन ओवैसी और तेजस्वी यादव के गढ़ सीमांचल आने का कार्यक्रम बन रहा है। इसके अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी सितंबर में बिहार आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि 10 से 15 सितंबर के बीच शाह की पूर्णिया में बड़ी जनसभा हो सकती है। नड्डा सहित कई केंद्रीय नेताओं के आने का सिलसिला भी सितंबर में होगा। बिहार बीजेपी ने इसके मद्देनजर अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी के केंद्रीय नेताओं के बिहार आगमन को देखते हुए राज्य इकाई ने वरीय नेताओं की जिम्मेवारी तय की है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने केंद्रीय मंत्रियों के प्रवास से संबंधित कमेटी में जीवेश मिश्रा, संजय सिंह, शिवेश राम, अमृता भूषण और मनीष पांडेय को शामिल किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रवास का जिम्मा मनोज शर्मा और संजय गुप्ता को दिया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश के एनडीए से नाता तोड़कर महागठबंधन के साथ जाने के बाद बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की 40 में से 35 सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया है। बीजेपी अध्यक्ष नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री शाह की मौजूदगी में इसी महीने हुई कोर कमेटी की बैठक में यह तय किया गया। बैठक में प्रदेश इकाई में सांगठनिक तौर पर बदलाव पर भी सहमति बनी। बताया जा रहा है कि आम चुनाव से पहले राज्य में बीजेपी का अध्यक्ष भी बदला जा सकता है। बीजेपी की नजर बिहार के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र सीमांचल पर टिकी है। यह असदुद्दीन ओवैसी और आरजेडी का गढ़ माना जाता है। यह इलाका नेपाल और पश्चिम बंगाल से सटा हुआ है। सीमांचल में चार जिले आते हैं, जिसमें पूर्णिया, किशनगंज, अररिया और कटिहार शामिल हैं। सीमांचल में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं। यह तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी का गढ़ माना जाता रहा है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में ओवैसी ने आरजेडी के वोटबैंक में सेंधमारी की थी और उनकी एआईएमआईएमस ने पांच सीटों पर जीत दर्ज करके सभी को चौंका दिया था। अन्य सीटों पर भी एमआईएमआईएम ने महागठबंधन के वोट काटे, जिसका फायदा बीजेपी नीत एनडीए को मिल गया था। इसी साल तेजस्वी ने एआईएमआईएम के 5 में से 4 विधायकों को आरजेडी में शामिल करा दिया, जिसके बाद फिर से वे इस क्षेत्र में मजबूत हो गए।

बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए मांगे आंकड़े

नई दिल्ली । भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र, बराक और अन्य नदियों पर ऊपरी हिस्सों (अपस्ट्रीम स्टेशन) से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए आंकड़े मांगे हैं, लेकिन भारत का कहना है कि पर्याप्त आंकड़े ढाका को दिए जा रहे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, इस मौसम के बाद से भारत ने किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए बांग्लादेश को बाढ़ के आंकड़ों को साझा करने की अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। भारत और बांग्लादेश के मंत्रालय स्तरीय संयुक्त नदी आयोग की 38वीं बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान इस मामले पर चर्चा की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने किया, जबकि बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जल संसाधन राज्य मंत्री जहीद फारूक ने किया। सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश ने गंगा, ब्रह्मपुत्र, बराक और अन्य नदियों पर 'अपस्ट्रीम स्टेशन' से देश में बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान के लिए बाढ़ के आंकड़े मांगे हैं, लेकिन भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि पड़ोसी देश को पर्याप्त आंकड़े मुहैया कराये जा रहे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि भारत ने बाढ़ के आंकड़ों को साझा करने की अवधि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है, जो पहले 15 अक्टूबर तक थी।

हमारी सेना दुश्मन को सबक सिखाना अच्छी तरह जानती : राजनाथ सिंह

लखनऊ (एजेंसी)।

केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं। बहुत सारे लोग कंफ्यूजन क्रिएट कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि हमारी सेना दुश्मन को सबक सिखाना अच्छी तरह जानती है। ये बात पूरी दुनिया जान भी चुकी है। हमारे स्वाभिमान पर चोट की तब हम हर तरह से निपटने के लिए तैयार हैं। राजनाथ अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के स्वर्ण जयंती वर्ष कार्यक्रम में प्रमिला श्रीवास्तव स्मृति मेमोरियल फाउंडेशन के स्मृति कार्यक्रम और व्याख्यान समारोह में बोल रहे थे। कहा कि आज भारत कमजोर भारत नहीं रहा है, ताकतवर देश की कतार में है। जिसके स्वाभिमान पर अगर किसी ने चोट पहुंचाने का प्रयास किया तब जवाब देने की ताकत भी रखता है। देश आश्वस्त रहे हमारी सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हाथों में है। उन्होंने कहा कि पहले विश्व मंचों पर भारत को महत्व नहीं मिलता था, आज भारत जब बोलता है, तब दुनिया कान लगातार सुनती है। कोविड के बाद भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2047 तक विश्व के टाप-3 अर्थव्यवस्था में भारत खड़ा होगा। रक्षामंत्री ने पीएम जनधन योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज पूर्व पीएम राजीव गांधी होते, तब उन्हें संतुष्टि मिलती। आज केंद्र सरकार की तरफ से भेजा जा रहा 100 का 100 रुपया आम आदमी के पास पहुंच रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 2047 आजादी के अमृत काल में भारत विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा।

गुलाम नबी आजाद होंगे जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री, पूर्व कांग्रेस विधायक का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

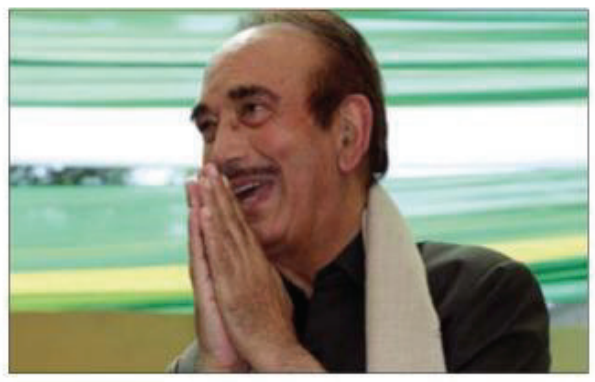

गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस में अपने पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद, जम्मू-कश्मीर के पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमीन भट्ट ने शनिवार को कहा कि 'गुलाम नबी आजाद जम्मू-कश्मीर के अगले मुख्यमंत्री होंगे'। पूर्व विधायक अमीन भट्ट ने शनिवार को गुलाम नबी आजाद से मुलाकात की। भट्ट ने कहा, 'हम आगे के रास्ते पर चर्चा करेंगे, हम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बी टीम नहीं हैं।'

वयोवृद्ध राजनेता गुलाम नबी आजाद ने शुक्रवार को गांधी परिवार और संगठनात्मक नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए पार्टी से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को संबोधित एक पत्र में, आजाद ने पार्टी से बाहर निकलने के पीछे के कारणों के रूप में वरिष्ठ नेताओं को दरकिनार करने और 'अनुभवहीन चाटुकारों की मंडली÷ के बढ़ते बोलबाला का हवाला दिया।

पूर्व राज्यसभा सांसद ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के घटते राजनीतिक दबदबे और चुनावों में खराब प्रदर्शन के लिए उनकी 'अपरिपक्वता' को जिम्मेदार ठहराया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने कहा कि वह जल्द ही जम्मू-कश्मीर में अपनी पार्टी बनाएंगे। आजाद ने कहा 'मैं जल्द ही जम्मू और कश्मीर में अपना संगठन स्थापित करूंगा। मैं भाजपा में शामिल नहीं होउंगा।

गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे से सहमी कांग्रेस को अभी और झटके लगने वाले हैं क्योंकि देश के विभिन्न राज्यों में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के इस्तीफों की घोषणा का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर भले कहा है कि आजाद के जाने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन पार्टी के अंदर इस बात पर चर्चा शुरू हो चुकी है कि किस तरह डैमेज कंट्रोल किया जाये। गांधी परिवार का कोई सदस्य इस समय देश में नहीं है इसलिए पार्टी नेताओं की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं। एक तरफ कांग्रेस नेता हालात संभालने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के समर्थकों और आजाद समर्थक नेताओं के बीच चल रही जुबानी जंग तेज होती जा रही है।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर से स्नेहल देव को मिस कैटेगरी में मिला फॉरएवर मिस, मिसेज, व टीन 2022 सीजन 2 में सिटी विनर का विनिंग टाइटल।

मरूधर विशेष/जयपुर। राजधानी जयपुर में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से 19 से 22 अगस्त तक ऑनलाइन मोड पर हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट "फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2" का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के अलग अलग शहरों की सिटी विनर्स की ऑनलाइन तरीके से सैश, क्राउन, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट के साथ में घर बैठे उनके फैमिली मेंबर्स द्वारा क्राउनिंग की गई।

जिसमें महाराष्ट्र के कोल्हापुर से स्नेहल देव को मिस कैटेगरी में सिटी विनर के टाइटल से सम्मानित किया गया। इस पूरे शो का लाइव टेलीकास्ट इस पेजेंट के ऑफिशियल एप्लीकेशन व यूट्यूब चैनल के जरिए किया गया। जिसके द्वारा पेजेंट की पार्टिसिपेंट्स के अलावा, मेम्बर्स व गेस्ट मेंबर्स ने भी क्राउनिंग को लाइव देखा। इसके साथ ही यह सभी सिटी विनर्स अगले राउंड में होने वाले स्टेट विनर्स के लिए एलिजिबल हो चुके हैं। चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में विनर्स की क्राउनिंग सेरेमनी के साथ साथ सॉन्ग लॉन्च, एक्ट्रेस लॉन्च, डांस परफॉर्मेंस जैसी अन्य एक्टिविटीज भी की गईं। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में हुआ अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार किया गया है और सबके द्वारा सराहा गया है।

महाराष्ट्र के नवी मुंबई से हर्षिका हजारिका को मिस कैटेगरी में मिला फॉरएवर मिस, मिसेज, व टीन 2022 सीजन 2 में सिटी विनर का विनिंग टाइटल

मरूधर विशेष/जयपुर। राजधानी जयपुर में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से 19 से 22 अगस्त तक ऑनलाइन मोड पर हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट "फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2" का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के अलग अलग शहरों की सिटी विनर्स की ऑनलाइन तरीके से सैश, क्राउन, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट के साथ में घर बैठे उनके फैमिली मेंबर्स द्वारा क्राउनिंग की गई। जिसमें महाराष्ट्र के नवी मुंबई से हर्षिका हजारिका को मिस कैटेगरी में सिटी विनर के टाइटल से सम्मानित किया गया। इस पूरे शो का लाइव टेलीकास्ट इस पेजेंट के ऑफिशियल एप्लीकेशन व यूट्यूब चैनल के जरिए किया गया। जिसके द्वारा पेजेंट की पार्टिसिपेंट्स के अलावा, मेम्बर्स व गेस्ट मेंबर्स ने भी क्राउनिंग को लाइव देखा। इसके साथ ही यह सभी सिटी विनर्स अगले राउंड में होने वाले स्टेट विनर्स के लिए एलिजिबल हो चुके हैं। चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में विनर्स की क्राउनिंग सेरेमनी के साथ साथ सॉन्ग लॉन्च, एक्ट्रेस लॉन्च, डांस परफॉर्मेंस जैसी अन्य एक्टिविटीज भी की गईं। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में हुआ अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार किया गया है और सबके द्वारा सराहा गया है।

राजस्थान के नागौर से पूर्णिमा पारीक को मिस कैटेगरी में मिला फॉरएवर मिस, मिसेज, व टीन 2022 सीजन 2 में सिटी विनर का विनिंग टाइटल

मरूधर विशेष/जयपुर। राजधानी जयपुर में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से 19 से 22 अगस्त तक ऑनलाइन मोड पर हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट "फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2" का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के अलग अलग शहरों की सिटी विनर्स की ऑनलाइन तरीके से सैश, क्राउन, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट के साथ में घर बैठे उनके फैमिली मेंबर्स द्वारा क्राउनिंग की गई। जिसमें राजस्थान के नागौर से पूर्णिमा पारीक को मिस कैटेगरी में सिटी विनर के टाइटल से सम्मानित किया गया।

इस पूरे शो का लाइव टेलीकास्ट इस पेजेंट के ऑफिशियल एप्लीकेशन व यूट्यूब चैनल के जरिए किया गया। जिसके द्वारा पेजेंट की पार्टिसिपेंट्स के अलावा, मेम्बर्स व गेस्ट मेंबर्स ने भी क्राउनिंग को लाइव देखा। इसके साथ ही यह सभी सिटी विनर्स अगले राउंड में होने वाले स्टेट विनर्स के लिए एलिजिबल हो चुके हैं। चार दिन तक चले इस कार्यक्रम में विनर्स की क्राउनिंग सेरेमनी के साथ साथ सॉन्ग लॉन्च, एक्ट्रेस लॉन्च, डांस परफॉर्मेंस जैसी अन्य एक्टिविटीज भी की गईं। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में हुआ अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार किया गया है और सबके द्वारा सराहा गया है।

संपादकीय

भर्ती की शर्त

यह खबर हरियाणा के लाखों छात्रों के लिए सुकून देने वाली है कि अगले शैक्षणिक सत्र से पहले ग्यारह हजार नये शिक्षकों की भर्ती होगी। शिक्षकों की कमी से जूझते स्कूलों के लिये यह घोषणा निस्संदेह राहतकारी है। साथ ही राज्य के लाखों बेरोजगार शिक्षकों के लिये भी नई उम्मीद की किरण है, बशर्ते अन्य बातें समान रहें। राज्य में नियुक्तियों से जुड़े विवाद व परीक्षा की अनियमितताओं के चलते अदालत के हस्तक्षेप के मामले विगत में प्रकाश में आते रहे हैं। बहरहाल, कुछ सरकारी स्कूलों को बंद करने को लेकर की जा रही राजनीति पर कुछ समय के लिये विराम जरूर लगेगा। दरअसल, शिक्षकों की कमी के चलते रेशनेलाइजेशन के कदम को लेकर राज्य में लगातार बयानबाजी होती रही है। सत्तारूढ़ दल व विपक्षी कांग्रेस द्वारा एक दूसरे के कार्यकाल में स्कूलों के बंद होने व विलय के आंकड़ों को लेकर दावे-प्रतिदावे किये जाते रहे हैं। कभी-कभी लगता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था राजनीति की प्रयोगशाला बन गयी है। नियुक्तियों को लेकर कई राज्यों में तमाम विवाद सामने आये हैं। हरियाणा में ही कई दिग्गज नेता इन आरोपों में घिरे हैं। ताजा मामला पश्चिम बंगाल का है। लगता है कि शिक्षा व्यवस्था राजनेताओं के लिये कामधेनु बन चुकी है। बहरहाल, राज्यों में शिक्षकों की नियुक्ति व व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर तार्किक व्याख्या की जानी चाहिए। इस सवाल पर गंभीर विमर्श होना चाहिए कि सरकारी स्कूलों से निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का मोह भंग क्यों हो रहा है। क्यों निजी स्कूलों की महंगी चकाचौंध अभिभावकों व उनके बच्चों को मंत्रमुग्ध कर रही है। वह भी तब जब सरकारी स्कूलों में योग्य शिक्षकों व संरचनात्मक ढांचे में कोई कमी नहीं है। कहीं न कहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ाई 21वीं सदी के समाज की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं ढाली जा सकी है। कहीं न कहीं अभिभावकों में यह सोच घर करती जा रही है कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी महंगे पब्लिक स्कूलों से निकले फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने वाले छात्रों का मुकाबला नहीं कर पायेंगे।

बहरहाल, अकसर एक दलील दी जाती रही है कि यदि नेताओं व नौकरशाहों के बच्चों के लिये सरकारी स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया जाये तो सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हो सकता है। सरकारी स्कूलों के प्रति सत्ताधीशों व शीर्ष अधिकारियों की उदासीनता कहीं न कहीं इस दलील को पुष्ट करती नजर आती है। दरअसल, शिक्षा को लेकर तमाम प्रयोगों व समय-समय पर बैठने वाले राष्ट्रीय शिक्षा आयोगों की सिफारिशों के बावजूद सरकारी स्कूलों की दशा सुधरती नजर नहीं आती। सुधार के प्रति राजनीतिक उदासीनता व तंत्र की विसंगतियां भी लक्ष्य पाने में बाधक बनी हैं। दरअसल, राज्यों में केंद्रीय स्तर पर सरकारी स्कूलों से जुड़ी व्यवस्था पर संवेदनशील ढंग से निगरानी की जरूरत है। यह ध्यान में रखते हुए कि देश व राज्यों में व्याप्त आर्थिक विषमता के चलते गरीबों बच्चों का अंतिम सहारा सरकारी स्कूल ही है। श्रमिक वर्ग व वंचित समाज के लोगों के बच्चे मिड डे मील जैसी सुविधाओं के चलते कुपोषण से बच पाते हैं। वहीं राजग सरकार के दौरान घोषित नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि स्कूलों में छोटी कक्षाओं से ही कौशल विकास की प्रवृत्ति विद्यार्थियों में विकसित की जाये। ताकि वे सरकारी नौकरी में भविष्य तलाशने के बजाय अर्जित कौशल से अपने पैरों पर खड़े हों। यह जानते हुए कि सरकारी नौकरियों का संकुचन लगातार जारी है छात्र-छात्राओं में मौलिक हुनर विकसित किया जाये। हरियाणा जैसे राज्य में, जिसकी खेल प्रतिभाओं ने पूरी दुनिया में धूम मचायी है, वहां खेल नर्सरियों की शुरुआत सरकारी स्कूलों से की जाये। यदि सरकारी स्कूल बच्चों के भविष्य के प्रति गंभीर होकर समय से कदमताल मिलाएंगे तो कोई वजह नहीं है कि सरकारी स्कूलों में फिर से बहार न आ पाये। ये वक्त की जरूरत भी है। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को भी एक कर्मचारी के बजाय एक गुरु का गुरुतर दायित्व निभाना होगा जिससे प्रभावित होकर छात्र-छात्राएं भी सरकारी स्कूलों को अपने भविष्य का लॉन्च पैड मानने लगें।

मानवीय करुणा का चरम

नकारात्मक समाचारों के उमड़ते समंदर के बीच से जब कोई मानवीय करुणा और उदात्तता का कोई समाचार सामने आ जाता है तो मनुष्य की मानवीयता से ज़िगती आस्था पुनः स्थापित होने लगती है। पांच बहनों का सबसे छोटा भाई 16 महीने का रिशांत के सिर में गिरने से गंभीर चोट लग गई। उसके पिता उपिंदर जो पेशे से निजी ठेकेदार हैं, बच्चे को निकट के एक निजी अस्पताल लेकर गए। जब यह अस्पताल उसके उपचार में असमर्थ दिखा तो इस बच्चे को दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के भरसक प्रयास के बावजूद बच्चे को बचाया नहीं जा सका और अंततः उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। घर के सबसे चहेते बच्चे का निधन मां-बाप के लिए एक भयावह आघात की तरह होता है, जिससे बाहर निकालना आसान नहीं होता। ऐसे क्षण व्यक्ति को कोई भी अन्यथा निर्णय नहीं लेने देते सिवाय इसके कि बच्चे का पारंपरिक तौर पर अंतिम संस्कार कर दिया जाए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रिशांत के पिता उपिंदर ने इन क्षणों में भी वह निर्णय लिया जो कि गहन मानवीय तो था ही, अन्य बच्चों को जीवन दान देने वाला भी था। उपिंदर ने बच्चे का अंगदान कर दिया, जिससे अन्य पीड़ित बच्चों को उसके अंग मिल सके और वे जीवन की पुनर्प्राप्ति कर सकें। रिशांत की दोनों किडनी को एम्स में ही दिल्ली में इलाज करा रहे 5 वर्षीय बच्चे में प्रत्यारोपित किया गया, जबकि उसके लीवर को मैक्स अस्पताल में उपचार करा रही छह महीने की बच्ची में प्रत्यारोपित किया गया। रिशांत के दिल के वॉल्व और कॉर्टनया को एम्स के बैंक में सुरक्षित रखा गया है। एम्स, नई दिल्ली के मुताबिक रिशांत सबसे कम उम्र का अंग दानकर्ता है। इससे पहले नोएडा की 6 साल की बच्ची रोली प्रजापति का अंगदान किया गया था। भावनात्मक दृष्टि से एक पिता के लिए ऐसा निर्णय करना कठिन होता है, लेकिन रिशांत के पिता ने व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर अपनी मानवीय करुणा को सामाजिक बना दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने नन्हें बच्चों की मृत्यु को दूसरों के लिए जीवन बना दिया। उस नन्हें बच्चे को श्रद्धांजलिग उसके पिता के प्रति गहरी सहानुभूति जिन्होंने अन्य के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

मानसिक गुलामी से मुक्ति की आवश्यकता

गिरीश्वर मिश्र

अमृत-महोत्सव के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने का आह्वान किया है । यह इसका स्मरण दिलाता है कि देश की आजादी अधूरी है। हम आज भी मानसिक रूप से पूरी तरह से स्वाधीन नहीं हो सके हैं। पराधीनता के बंधन में दास स्वामी की दृष्टि से स्वयं को और अपनी दुनिया को देखने का भी अभ्यस्त हो जाता है। अभ्यास में आने के बाद जब हम उसके आदी हो जाते हैं तो हमारी भावना, विचार और कर्म सभी उससे अनुबंधित हो जाते हैं। उसकी तीव्रता का अहसास भी खत्म होने लगता है और तब दासता दासता नहीं रह जाती। स्वतंत्रता की भ्रामक चेतना में गुलाम अपने आका की खुशी में ही अपनी भी खुशी देखता है। गुलामी की सोच या मनोवृत्ति (माइंड सेट) संकुचित या प्रतिबंधित दृष्टि के साथ बंधी बंधाई लीक पर चलने को बाध्य करती है। अनुगमन और अनुकरण करते रहना अपनी नियति मान कर इस तरह की सोच सर्जनात्मकता से भी विमुख करती है। इस मनोदशा में आदमी यह मान बैठता है कि कुछ भी नहीं हो सकता। इस हाल में आदमी के ऊपर संशय, अनिश्चय और हीनता की ग्रंथि हाबी होने लगती है।

भारत का स्वतंत्रता संग्राम अंग्रेजी साम्राज्य की जिस गुलामी के विरुद्ध लड़ा गया था उससे देश को राजनीतिक स्वाधीनता तो 1947 में मिली परंतु आज जब देश की कमान स्वतंत्र देश में जन्मे नेताओं के हाथ में है तो स्वराज के अधूरेपन की टीस हरी हो रही है। पराधीन भारत में महात्मा गांधी ने 1909 में स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सिर्फअंग्रेजों और उनके राज्य को हटाने भर से स्वराज की प्राप्ति संभव नहीं है। उनके जाने पर भी उन्हीं की सभ्यता और उन्हीं के आदर्श यदि बने रहें, तो व्यावहारिक रूप से हम पहले जैसे ही बने रहेंगे। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने पश्चिम की सभ्यता को शैतानी सभ्यता घोषित किया और अपनी शंकाएं व्यक्त की थीं।

महात्मा गांधी में गुलामी का प्रतिरोध और अस्वीकार के साथ भारत की आत्मा की पहचान भी थी और उस चेतना को जगाने के लिए पश्चिमी सभ्यता की प्रखर आलोचना की थी । स्वराज के इस संकल्प पत्र का प्रतिफलन भारत में 1915 में आने के बाद के उनके निजी जीवन और सार्वजनिक उद्यम में देखा जा सकता है। पराधीन भारत में अपने आचरण और व्यवहार में गांधी ने स्वराज की संभावना की मूर्त छवियां भी प्रस्तुत कीं। उनके आश्रम और आन्दोलन इसकी सामाजिक प्रयोगशाला बने । इस दृष्टि से गांधी का रचनात्मक कार्यक्रम सामाजिक क्रांति का आगाज था जिसमें हिंसक आधुनिक सभ्यता के चंगुल से छूटना मुख्य ध्येय था।

उन्होंने पूर्ण स्वराज्य पाने के कार्यक्रम में राजनीतिक पहल और सामाजिक रचनात्मक कार्यक्रम दोनों की भूमिका को रेखांकित किया। वे सविनय अवज्ञा या सत्याग्रह को रचनात्मक कार्यक्रम का सहायक मानते हैं और देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने वाला कहते हैं। इस तरह उन्होंने औपनिवेशिकता का विकल्प सामाजिक परिवर्तन के रूप में प्रस्तुत किया था। गांधी

> एक प्राथमिक समूह के रूप में परिवार सहज रूप में उपलब्ध रहता है और भारतीय परम्परा में माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का एक संजाल (नेटवर्क) स्वाभाविक या नैसर्गिक रूप में सक्रिय रहता है। समूह का हो जाने पर ही व्यक्ति को पूर्णता का अहसास होता है। यहां पर यह विचार अधिक प्रचलित स्वीकृत है कि अकेला अधूरा होता है। यहां जुड़ने की छटपटाहट और बेचैनी स्वाभाविक रूप से दिखती है। वैयक्तिकता कृत्रिम और अस्वाभाविक है। व्यक्ति के लिए उसकी अपनी सत्ता का अतिक्रमण करना ही विकास का उद्देश्य होता है। अहं के स्वच्छंद विस्तार की जगह उसका नियंत्रण व्यक्ति के विकास का एजेंडा होना चाहिए।

जी के शब्दों में रचनात्मक कार्यक्रम ही पूर्ण स्वराज्य या मुकम्मल आजादी को हासिल करने का सच्चा और अहिंसक रास्ता है। सिर्फअंग्रेजी सत्ता की समाप्ति नहीं बल्कि सर्वोदय उनका उद्देश्य था। वे एक जीते जागते निरामय समाज का निर्माण चाहते थे। स्वतंत्र भारत की कथा में बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए और सम्पूर्ण स्वराज आज भी अधूरा है। आज भ्रष्टाचार, पाखंड और नैतिक मूल्यों के ह्रास से देश जूझ रहा है। सार्वजनिक जीवन में मर्यादाएं टूट रही हैं और प्रवचन तथा नाटक के दौर चल रहे हैं।

इन सब स्थितियों पर गौर करें तो इस स्थिति के निर्माण में अनेक कारण हैं पर औपनिवेशिक आधिपत्य और उसके बाद हमने जो मार्ग अपनाया उसकी मुख्य भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। आधुनिकता का लबादा ओढ़ कर औपनिवेशिकता हाबी रही और एक सभ्यता के रूप में हम उसका समाधान नहीं कर सके। औपनिवेशिक दौर में आर्थिक असमानता खूब थी और बाद में ?सी संस्थाएं खड़ी की गईं जो उनका प्रभुत्व बनाए रखें। उपनिवेशवाद मूलतः शोषण, दमन और हिंसा से बनता है। तीव्र वैश्वीकरण के युग में भी आज देश के आत्मबोध को सशक्त बनाने के लिए पश्चिम के औपनिवेशिक विचार के खांचों से बाहर निकल कर देखना होगा। परंतु गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पश्चिमी दृष्टि से ही मुक्ति नहीं है।

जैसा कि सर्वविदित है ब्रितानी साम्राज्य ने आधिपत्य जमा कर आर्थिक शोषण तो किया ही सांस्कृतिक व्यवस्था को भी समूल नष्ट करने की भपूर कोशिश की। दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में भी भारतीय सभ्यता का ज्ञान की दृष्टि से योगदान पश्चिमाभिमुख बुद्धिजीवी वर्ग ने पहचाना ही नहीं। भारत की आत्मा तो बंधन में ही रही। इसकी सामग्री और सैद्धांतिकी की लगातार उपेक्षा होती रही। साहित्य और संस्कृति का आधार भाषा होती है और देश की भाषाओं की हत्या की जाती रही। विचार और कल्पना पर भाषा का क्या प्रभाव पड़ता है यह जानकर औपनिवेशिक प्रभाव को बनाए रखने के लिए अंग्रेजी भाषा को स्थापित किया गया। भाषा सिर्फ संचार का माध्यम ही नहीं बल्कि संस्कृति की वाहिका भी होती है। उसमें इतिहास, भावनाएं और सामाजिक चेतना भी निवास करती है। भाषा में सांस्कृतिक मूल्य और आदर्श रचे-बसे होते हैं। भाषा की अपनी विश्व दृष्टि भी होती है। आरोपित भाषा हमें अपने विचार, मूल्य और कल्पना से विलग करती है। तब हम अपने से बाहर निकल कर खुद (स्व!) को देखने और पहचानने का काम करते हैं मानों कि वह कोई (अन्य !)दूसरा है।

कल्पना का यह आईना यूरोप, उसकी संस्कृति को केंद्र मान कर सारी दुनिया उसी की दृष्टि से देखता है। थोड़ा विचार करें तो यही लगता है कि भाषा में लोक के अनुभवों का सामाजिक स्मृति कोश स्पंदित होता रहता है और उसे संस्कृति से अलग करना मुश्किल है। अंग्रेजों ने अपनी भाषा लादकर हम खुद को और दुनिया को कैसे देखते हैं इस पर नियंत्रण किया। इस उपकरण से मानसिक जगत को हथियाने का काम किया गया। जब देश को आजादी मिली तो हम राजनीतिक दृष्टि से इंडिपेंडेंट तो हुए पर अंग्रेजी पर, यूरोपीय ज्ञान, शासन-संरचना और उसकी परम्परा से मुक्ति नहीं मिली। पश्चिम के मानस कारागृह से बाहर निकलना न हो सका। सभ्यता के आलोक में वर्तमान से संवाद नहीं हुआ। यही नहीं पश्चिम की आलोचना भी उन्हीं के दिए खांचे में होने लगी।

इस चर्चा में भारत की पहचान और उसका स्वरूप एक विचारणीय प्रश्न के रूप में उभरता है। निश्चय ही भारत की विविधता और बहुलता उसकी एक उल्लेखनीय विशेषता है जो संरचना और स्वभाव की दृष्टि से उसे राष्ट्र राज्य (नेशन स्टेट) के विचार के सामने सभ्यतामूलक देश की अवधारणा की ओर अधिक उन्मुख करती है। इसी से यह देश प्राचीन काल से परिचित रहा है और यहां का लोकमानस इसी ढंग से काम भी करता है। यहां की धरती पर उपजे और पनपे विचारों में लोक, जन और सर्व जैसे विचार बड़े पुराने प्रतीत होते हैं। उसी की अभिव्यक्ति है कि आज भी 'हम' शब्द का 'मैं' के अर्थ को व्यक्त करने के लिए प्रयोग में प्रचलित है। अभी भी अनोखे अकेले व्यक्ति की तुलना में सामूहिक और क्षेत्रीय पहचान अधिक महत्वपूर्ण है। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि मानव शिशु का जन्म परिवार में होता है और उसकी समूह-निर्भरता जीवन जीने की एक प्राथमिक शर्त बन जाती है। समूहप्रियता का प्रयोजन और उपयोगिता एक सार्वजनीन सत्य है।

एक प्राथमिक समूह के रूप में परिवार सहज रूप में उपलब्ध रहता है और भारतीय परम्परा में माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का एक संजाल (नेटवर्क) स्वाभाविक या नैसर्गिक रूप में सक्रिय रहता है। समूह का हो जाने पर ही व्यक्ति को पूर्णता का अहसास होता है। यहां पर यह विचार अधिक प्रचलित स्वीकृत है कि अकेला अधूरा होता है। यहां जुड़ने की छटपटाहट और बेचैनी स्वाभाविक रूप से दिखती है। वैयक्तिकता कृत्रिम और अस्वाभाविक है। व्यक्ति के लिए उसकी अपनी सत्ता का अतिक्रमण करना ही विकास का उद्देश्य होता है। अहं के स्वच्छंद विस्तार की जगह उसका नियंत्रण व्यक्ति के विकास का एजेंडा होना चाहिए। अगर वेदांत अहं ब्रह्मास्मि का उद्घोष करता है तो वहां भी अपने विस्तार की बात है ताकि व्यक्ति का स्व सर्व समावेशी हो जाए। सबको साथ ले कर चलने वाले स्व ही मुक्त होता है। बंधनों से मुक्त होने पर ही अपने स्वरूप का पता चलता है। भारत की मानसिक गुलामी से उबरने के लिए उसे अपने स्वरूप और अस्मिता को अपनी दृष्टि से पुनः पहचानना होगा ।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

ब्लॉगर

टोमैटो फ्लू के लक्षण, कारण और उपचार

योगेश कुमार गोयल

कोरोना और मंकीपॉक्स के बाद अब बच्चों को टोमैटो फ्लू गिरफ्त में ले रहा है। इस संक्रमण ने स्वास्थ्य मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। भारत में पहली बार 6 मई को केरल के कोल्लम जिले में एक बच्चे में टोमैटो फ्लू की पुष्टि हुई थी। 'लांसेट' जर्नल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक तब से जुलाई तक केरल में इसके 82 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। ओडिशा में 26 से ज्यादा बच्चे इससे बीमार हो चुके हैं। सभी बच्चों की उम्र नौ साल से कम है और यह संक्रमण अब तमिलनाडु और कर्नाटक में भी फैल रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर पांच साल तक के बच्चों को निशाना बनाने वाला यह फ्लू आंतों के वायरस के कारण होता है। यह वायरस से बचाव के लिए पर्याप्त प्रतिरक्षा प्रणाली होने के कारण व्यस्कों में दुर्लभ होता है। प्रारंभिक रिपोर्टों में सामने आया है कि यह एक दुर्लभ प्रकार का वायरल संक्रमण है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि यह रेयर इंफेक्शन है। यह डेंगू या चिकुनगुनिया के बाद हो सकता है।

टोमैटो फ्लू के नाम से ऐसा लगता है, जैसे यह टमाटर खाने से होने वाली कोई बीमारी है। वास्तव में इसका टमाटर से कोई संबंध नहीं है। इसे टोमैटो फ्लू नाम इसीलिए दिया गया है क्योंकि इसमें शरीर पर टमाटर के आकार जैसे फफोले हो जाते हैं। इसके अधिकांश लक्षण दूसरे वायरल इंफेक्शन जैसे ही होते हैं। टोमैटो फ्लू वास्तव में एक वायरल बीमारी है। इसमें 10 साल से कम उम्र के बच्चों को बिना निदान के बुखार का अनुभव होता है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह बीमारी कैसे फैलती है। विशेषज्ञ इससे बचने के लिए

बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखना और हाइजीन का खास ख्याल रखना जरूरी बता रहे हैं। अभी तक के अनुभवों के आधार पर विशेषज्ञों का कहना है कि टोमैटो फ्लू से बच्चों की जान का खतरा ज्यादा नहीं है लेकिन यह बेहद संक्रामक है। विशेषज्ञों के मुताबिक टोमैटो फ्लू एक तरह की 'हैंड, फुट एंड माउथ' वाली बीमारी है। इसमें हाथ, पैर और मुंह पर लक्षण दिखते हैं। बुखार आने के बाद त्वचा पर लाल निशान पड़ना इसका प्रमुख लक्षण है। हाथ, पैर और मुंह पर बड़े दाने होने लगते हैं। इनका रंग प्रायः टमाटर जैसा लाल होता है और चकत्तों का आकार भी धीरे-धीरे बढ़कर टमाटर जैसा हो जाता है। चिकित्सकों ने टोमैटो फ्लू के चकत्तों के दानों की तुलना मंकीपॉक्स से जबकि बुखार के लक्षणों की तुलना डेंगू, चिकनगुनिया और हाथ, पैर तथा मुंह की बीमारी से की है। चिंतित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कई राज्यों को अलर्ट पर रखा है। जागरुकता अभियान भी शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि आसपास यदि कोई इस बीमारी से पीड़ित है तो उससे दूरी बनाकर रखें और खासकर बच्चों को ऐसे मरीज के करीब न आने दें। टोमैटो फ्लू की चपेट में आए बच्चे को अलग कमरे में रखते हुए उसके निकट सम्पर्क से बचने का प्रयास करें। ऐसे मरीज को 5-7 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए। संक्रमित बच्चे के कपड़े, बर्तन तथा अन्य सामान को अलग रखना बेहद जरूरी है।

अब यह साफ हो चुका है कि टोमैटो फ्लू का कोई विशिष्ट उपचार नहीं है। इसलिए इसे केवल लक्षणात्मक रूप से प्रबंधित किया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बीमारी की सबसे बड़ी समस्या रोगी के शरीर में पानी की कमी हो जाना है। शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए पानी, फलों का जूस, शर्बत इत्यादि पिलाते रहना बहुत जरूरी है। यदि बच्चा तरल पदार्थ नहीं ले रहा है तो ऐसे स्थिति में उसे अस्पताल में भर्ती कराकर ड्रिप लगवाना जरूरी हो जाता है। घरेलू उपाय न अपनाकर बच्चे को फौरन डाक्टर को दिखाना चाहिए। टोमैटो फ्लू एक तरह से चिकनगुनिया, डेंगू और हाथ, पैर तथा मुंह की बीमारी के लक्षणों के समान है। इसलिए इसका इलाज भी इन्हीं के समान माना जा रहा है। टोमैटो फ्लू की अभी तक कोई अलग से दवाई नहीं है। जो दवाई वायरल संक्रमण होने पर दी जाती है, उसी का इस्तेमाल इसके उपचार में किया जाता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एशिया कप क्रिकेट

भारत का बहुत कुछ दांव पर

मनोज चतुर्वेदी

अब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता में पहले जैसा करंट तो नहीं दिखता है। पर दोनों के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार अभी भी किया जाता है। यही वजह है कि भारत और पाकिस्तान के क्रिकेटप्रेमियों को ही नहीं बल्कि सारे जहान के क्रिकेट प्रेमियों को दोनों देशों के बीच 28 अगस्त को खेले जाने वाले एशिया कप मुकाबले का इंतजार है। दोनों देशों के मुकाबले में भले ही अब मर-मिटने वाला अंदाज नहीं दिखता पर यह जरूर है कि आज भी दोनों में से कोई भी टीम हारना पसंद नहीं करती है और दोनों का यही रुख मुकाबले की रोमांचकता को बढ़ाता रहा है। यही कारण है कि चाहे आईसीसी हो या एशियाई क्रिकेट महासंघ दोनों ही इन मुकाबलों की लोकप्रियता को भुनाने में नहीं चूकते हैं।

संयुक्त अरब अमीरात में 27 अगस्त से 11 सितम्बर तक होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में रखने का परिणाम यह है कि यह है कि दोनों परंपरागत प्रतिद्वंद्वी इसमें तीन बार आमन-सामने हो सकते हैं।

इस बार फॉर्मेट यह है कि दोनों ग्रुपों की टॉप दो टीमें सुपर फोर में स्थान बनाएंगी, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों के पहुंचने की उम्मीद की ही जा सकती है। सुपर फोर की टॉप दो टीमों के बीच फाइनल खेला जाना है। वैसे इस टूर्नामेंट में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश की भी मजबूत टीमें हैं, इसलिए कोई भी टीम फाइनल में पहुंचने का माद्दा रखती है। पर भारत और पाकिस्तान के बीच दो मुकाबले तो तय ही लगते हैं। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान के मुकाबले भारतीय टीम पिछले काफी समय से बेहतर प्रदर्शन करती रही है। एशिया कप में भारत का रिकॉर्ड भी बेहतर है। दोनों देशों के बीच अब तक खेले गए 14 मैचों में से आठ बार भारत और पांच बार पाकिस्तान जीता है और एक में कोई परिणाम नहीं निकला, लेकिन पिछले साल टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान ने भारत को 10 विकेट से शिकस्त देकर यह भरोसा तो बना लिया है कि वह अपनी इस परंपरागत प्रतिद्वंद्वी को फतह करने का माद्दा रखती है।

पर शेन वाटसन को भारत के इस विश्व कप को जीतने की बेहतर संभावनाएं लगती हैं। इसकी वजह वह पिछले साल हुए टी-20 विश्व कप के बाद से भारत ने खेले 24 टी-20 मैचों में से 19 जीता है। पाकिस्तान को विश्व कप के बाद से बहुत मैच खेलने को नहीं मिले हैं और उन्होंने सात ही मैच खेले हैं, जिसमें से सिर्फ एक ऑस्ट्रेलिया के हाथों हारा है। वह इस साल तो बहुत ही कम टी-20 मैच खेली है। भारत की निगाहें लगातर तीसरी बार एशिया कप जीतने पर रहेंगी। भारत असल में ढांचागत सुविधाओं के मामले में एशिया के बाकी सभी देशों से बहुत आगे है और उसने पिछले एक-डेढ़ दशक में ऐसी छवि बनाई है कि दुनिया की हर दिग्गज टीम भारत से खेलना चाहती है। इसकी वजह शायद भारत के साथ खेलने से बोडरे की अच्छी-खासी कमाई होना है। यह स्थिति अन्य टीमों की कतई नहीं है। इसलिए बाकी टीमों को भारत की तरह खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिलते हैं। इसके अलावा भारत में आईपीएल के आयोजन की वजह से प्रतिभाओं की भी भरमार रहती है। यही वजह है कि भारतीय टीम एक साथ दो टीमें भी दौरे पर भेजने लगी है। इन सब कारणों से भारत अन्य टीमों के मुकाबले आगे नजर आता है। फिर भी पाकिस्तान के अलावा श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश अपना दिन होने पर चौंकाने का माद्दा तो रखते ही हैं।

भारतीय क्रिकेट प्रेमी जिस उत्सुकता से पाकिस्तान के साथ मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं, उतनी ही उनकी उत्सुकता स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के बल्ले से रनों की आग उगलते देखने की भी है। असल में विराट कोहली काफी लंबे समय से रंगत से दूर बने हुए हैं। सभी विशेषज्ञ मानते हैं कि उन्हें रंगत में आने के लिए सिर्फ एक अच्छी पारी का इंतजार है। पर सवाल यह है कि वह पारी आएगी कब। वह यदि इसमें भी रंगत नहीं पाते हैं तो इस साल 16 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप में खेलने की उनकी संभावनाएं कम हो सकती हैं। वैसे विराट का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने सात टी-20 मैचों में 77.75 के औसत से 311 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

दोनों देशों के बीच पिछले साल टी-20 विश्व कप में विराट को सस्ते में निकालने वाले शाहीन शाह आफरीदी के चोटिल होकर बाहर होने का फायदा मिल सकता है। विराट कोहली के एशिया कप में रंगत पाते ही भारत की साल आखिर में टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाली टीम को भी अंतिम रूप मिल जाएगा। इसके बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीजों से अपनी तैयारियों को मापने का मौका मिल जाएगा। इस मुकाबले में दोनों टीमों के स्ट्राइक गेंदबाज बुमराह और शाहीन की अनुपस्थिति में बाकी गेंदबाजों के प्रदर्शन पर बहुत कुछ निर्भर रहने वाला है।

कुशलगढ़ छात्रसंघ चुनाव में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के मनीष मुनिया ने किया अध्यक्ष पद पर कब्जा

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। सुबह 10:00 बजे से मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय परिसर में मतगणना शुरू हुई। मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम एसडीएम सुनील शर्मा,पुलिस उप अधीक्षक बलवीर सिंह मीणा,तहसीलदार वीरेन्द्र सिंह राठौड़, नपा अधिशाषी अधिकारी सोहनलाल नायक,सी आई महिपाल सिंह व अन्य प्रशासन रहा मौजूद रहे। प्राचार्य डॉ लक्ष्मण लाल परमार,मुख्य निर्वाचक अधिकारी महेंद्र कुमार देपन,डॉ रेनू गुप्ता, डॉ भावना उपाध्याय सहित शिक्षा विभाग के कर्मियों व पद अधिकारियों की देख रेख में मतगणना हुई। कॉलेज के 1673 वोटर में से 1462 मतदाताओं ने अपने मत का उपयोग किया।38 वोटो से हुई मनीष मुनिया की जीत, रिजेक्ट वोट 88 एबीवीपी से उपाध्यक्ष सुषमा राणा,महासचिव बीपीवीएम से विकेश कटारा, संयुक्त सचिव बीपीवीएम रक्षा मईडा रहे।कुल 1462 मतो में से भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा के प्रत्याशी मनीष मुनिया को 521, एबीवीपी के प्रत्याशी हेमचन्द निहरता को 483, एसटीएससी के करण खड़िया को 346 ओर निर्दलीय उम्मीदवार हिमचंद खड़िया को 24 मत प्राप्त हुए। जबकि 88 वोट निरस्त पाए गए। इस तरह 38 वोट अधिक लाकर मनीष मुनिया ने जीत दर्ज की। आज मामा बालेश्वर दयाल राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव में भील प्रदेश विद्यार्थी मोर्चा ने अध्यक्ष पद पर कब्जा किया दूसरे नंबर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रहा और तीसरे नंबर में गठबंधन एसटी एससी एनएसयूआई रही।

कोटड़ा में फिर एबीवीपी ने मारी बाजी- श्रवण कुमार बने अध्यक्ष

मरुधर हिन्द उदयपुर

कोटड़ा मे छात्र संघ चुनाव का परिणाम घोषित एबीवीपी और निर्दलीय में अध्यक्ष पद के लिए कांटे की टक्कर का रहा मुकाबला महज मात्र 9 वोट से एबीवीपी के श्रवण कुमार ने जीत दर्ज कर लहराया जीत का परचम। उपाध्यक्ष पिंटू कुमारी गरासिया , महासचिव पिंटू परमार संयुक्त सचिव अन्नालाल तराल को 134 मत मिले कक्षा प्रतिनिधी निर्दलीय सरोज मेघवाल निर्विरोध विजय रही पूरे पैनल पर एबीवीपी ने कब्जा कर जीत को कायम रखा। एनएसयूआई ने नहीं उतरा अपना कोई भी उम्मीदवार।

तिजारा ग्रामपंचायत पालपुर के सरपंच को दो से अधिक संतान के मामले में अयोग्य घोषित किया

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा क्षेत्र के पालपुर पंचायत के सरपंच अकरम बच्चे के मामले को लेकर न्यायालय ने सरपंच पद से किया निरस्त सरपंच अकरम के 4 बच्चे मामले में मामले में तोफिक न्यायालय में याचिका दायर की थी ।तौफिक बनाम अकरम व अन्य तौफिक को उक्त चुनाव परिणाम में 1469 मत प्राप्त हुए हैं जो अयाची सं 01 अकरम के पश्चात् प्राप्त सर्वाधिक मत हैं । हकदार है कि उसे ग्राम पंचायत पालपुर पंचायत समिति तिजारा , जिला अलवर के सरपंच पद पर निर्वाचित घोषित किया जावे । सिविल न्यायालय संख्या 1 न्यायाधीश नीरज मित्तल इस मामले में सुनवाई करते हुए ग्राम पंचायत अकरम पुत्र रूजदार उम्र करीब 32 साल निवासी बालियावास , तहसील तिजारा सरपंच पद के संबंध में दिनांक 17.01.2020 को घोषित हुए निर्वाचन को निरस्त किया जाकर उसे ग्राम पंचायत पालपुर तह 0 तिजारा जिला अलवर के सरपंच के पद से अयोग्य करार दिया जाता है तथा अयाची अकरम पुत्र रूजदार , उम्र करीब 32 साल निवासी बालियावास , तह 0 तिजारा , जिला अलवर , राज 0 का निर्वाचन शून्य घोषित किया जाता है । 2-याची तौफिक खान पुत्र अब्दुल खान , उम्र करीब 21 साल निवासी बालियावास , को सरपंच पद पर घोषित किया गया याचिकाकर्ता की ओर से केदार शर्मा एडवोकेट ने की पैरवी।

विक्षिप्त महिला को भेजा अपना घर आश्रम भरतपुर

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां। अपना घर आश्रम भरतपुर एक ऐसा पुनर्वास केंद्र है जो कि लावारिश, असहाय, विक्षिप्त महिला पुरुषों को ससम्मान आश्रय दे रहा है तो वहीं आश्रम की वजह से पुलिस प्रशासन भी चैन की नींद सो रहा है। ऐसा ही एक वाक्या गत रात्रि कामा में घटा जब स्थानीय पुलिस द्वारा एक अर्ध विक्षिप्त,लावारिश, लगभग 40 वर्षीय महिला उदाका गांव से दस्तयाब हुई। स्थानीय कामा के एएसआई श्रीचंद फौजदार ने अपना घर सेवा समिति इकाई कामां के सचिव को सूचित किया की एक अर्ध विक्षिप्त, निराश्रित महिला मिली है जिसे अपना घर आश्रम भिजवाने की व्यवस्था करें। तो अपना घर सेवा समिति इकाई कामा के अध्यक्ष खेमराज मातुकी वाले, पूर्व अध्यक्ष संजय जैन बड़जात्या ,हर प्रसाद नाटाणी ने तत्परता दिखाते हुए, कामा थाना जाकर जानकारी एकत्रित की और उसे देर रात्रि निजी गाड़ी से अपना घर आश्रम भरतपुर में पुनर्वास हेतु भिजवाया गया। इस अवसर पर थाने की कॉन्स्टेबल निकिता जाट सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। महिला को रात्रि में कहाँ रखे यह समस्या भी पुलिस के समक्ष खड़ी थी जिसका समाधान होने पर राहत की सांस ली गई। तो अपनाघर आश्रम का आभार भी व्यक्त किया।

एबीवीपी ने लहराया जीत का परचम,विनोद गुर्जर बने छात्रसंघ अध्यक्ष

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां- राजकीय महाविद्यालय कामां मे चुनाव संपन्न हुए चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशियों ने अध्यक्ष सहित पूरे पैनल पर ही कब्जा कर लिया एबीवीबी अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विनोद गुर्जर ने अपनी निकटतम प्रतिनिधि अंजुम को परास्त कर अध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया। राजकीय महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव के मुख्य चुनाव अधिकारी धीरज कुमार गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनावों में कल शुक्रवार को मतदान हुआ था जिसमें कुल 260 छात्रों ने मतदान किया था एबीवीपी के विनोद गुर्जर व निर्दलीय अंजुम के मध्य मुकाबला हुआ था मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने आने के बाद आज शनिवार को उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा की देखरेख में मतगणना की गई जिसमें विजयी प्रत्याशी विनोद गुर्जर को 172 मत प्राप्त हुए व पराजित प्रत्याशी अंजुम को 65 मत प्राप्त हुए जबकि 23 मत निरस्त घोषित किए गए विजयी प्रत्याशी विनोद गुर्जर ने 107 मतों से जीत दर्ज की 7 उल्लेखनीय है कि उपाध्यक्ष पद पर एबीवीपी की लक्ष्मी, महासचिव पद पर एबीवीपी की निमेष व संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी की संध्या पूर्व में ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुकी हैं राजकीय महाविद्यालय के पूरे पैनल पर एबीवीपी के प्रत्याशियों ने कब्जा कर लिया है7 छात्र संघ चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हो जाने के बाद एबीवीपी के छात्रों ने कामा कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर विजय जुलूस निकाला।

जादूगर शिवकुमार के मेजिक शो के दौरान उमड़ा जन सैलाब, हॉल में पड़ी सीटों की कमी

प्रधान सरोज बस्ती राम ने शनिवार को मैजिक शो का फीता काट किया शुभारम्भ

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

बहरोड़। देश दुनिया के जाने-माने जादूगरों में गिने जाने वाले राठ क्षेत्र के एकमात्र तिलिस्मी स्टंट मेन मैजिशियन शिवकुमार के बहरोड़ कस्बे के विक्रम टॉकीज में चल रहे मैजिक शो का शनिवार शाम को उद्घाटन बहरोड़ पंचायत समिति प्रधान सरोज बस्ती राम यादव ने फीता काट कर किया। इस मौके पर मिट्ठनलाल बोहरा,विजय यादव,मुकेश यादव इंडियन गेस एजेंसी,गुर्जर महासभा जिला उपाध्यक्ष रोहिताश्व गुर्जर,भूपेंद्र गुर्जर इंजीनियर,रमेश नंबरदार,राजेश गुर्जर शिमला मौजूद रहै।

इस मौके पर प्रधान सरोज बस्ती राम यादव ने कहा कि मैजिक शो के जरिए जादूगर शिव कुमार का मेजिक शो सामाजिक संदेशों से भरा है जिसे बहरोड़ की जनता को अवश्य देखना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि हमें शिवकुमार जैसे कलाकारों की कदर करनी चाहिए जिन्होंने अपने राठ क्षेत्र का नाम देश ही नहीं बल्कि विदेशों तक रोशन किया किया है हमको ऐसे कलाकार पर गर्व है। हमें गर्व है कि हमारे राठ क्षेत्र के बेटे जादूगर शिव कुमार जो प्राचीन जादू कला को जिंदा रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

वहीं शनिवार शाम मेजिक शो के दौरान जादूगर शिव

कुमार के हैरत अंजेब कारनामों से भरे आइटम देखकर दर्शक दंग रह गए। मेजिक शो के दौरान जन सैलाब उमड़ा पड़ा वहीं हॉल में सभी सीटें बुक हो गई इसके बाद स्टाफ को 50 सीटें गैलरी में अतिरिक्त लगानी पड़ी।

बहरोड़ शहर में हो रहे इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैजिक शो को देख लोग बड़े प्रसन्न नजर आ रहे हैं। शनीवार को दिन ओर रात के दोनों शो हाउस फूल रहे। शो छूटने पर विक्रम टॉकीज के गेट के बाहर काफी भीड़ भाड़ देखाई दी और सड़क पर जाम जैसे हालात बन गए।

5 इस दौरान जादूगर शिव कुमार ने उपस्थित सभी अतिथियो को संबोधित करते हुए आम जनता से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ, नशा मुक्त रहने सहित कला की कद्र करने की गुजारिश की। उन्होंने बताया कि उनका बहरोड़ शहर में यह विशेष शो चन्द दिनों के लिए है जिसमें वो इस बार नित नए आइटम लेकर आए हैं जो दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं। जादूगर शिवकुमार ने अपने शो के दौरान मानव कटिंग, लड़की को गायब करना, लड़की को हवा में उड़ाना, खाली हाथों से करोड़ों रुपए की नोटों की बारिश करना,लड़की के आठ टुकड़े करना, वरमुंडा ट्राइंगल इफेक्ट जैसे खतरनाक आइटम दिखाए जिसको देखकर दर्शकों हैरान रह गए।

शाहजहांपुर पुलिस ने हनी ट्रैप मामले में एक महिला को किया गिरफ्तार

बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी देकर महिला ने व्यक्ति से 2.75लाख रूपये ऐंठे 3लाख रूपये की और डिमांड

मरुधर विशेष/हवासिंह चौधरी

नीमराना। शाहजहांपुर पुलिस ने हनी ट्रैप मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शातिर महिला को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है।शाहजहांपुर थाना प्रभारी विक्रम चौधरी ने बताया कि हनी ट्रैप मामले में हाल शाहजहांपुर निवासी शालू गुप्ता (35) प%ी प्रहलाद अग्रवाल निवासी मीणा मोहल्ला को गिरफ्तार किया गया है।

क्या है पूरा मामला

शाहजहांपुर थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौधरी ने बताया कि जाट बहरोड़ निवासी बृजपाल सिंह (43)पुत्र महाराम जाट ने थाने में मामला दर्ज कराया कि उनके मोबाइल पर 22 अगस्त को सुबह अनजान महिला के द्वारा फोन किया गया। जिसमें महिला ने बताया की मेरा फ्लैट नीमराना में है तथा मुझे रुपयों की जरूरत है। जिसे मैं बेचना चाहती हूं ।मेरे पास महिला के द्वारा बार-बार फोन किए गए।पीड़ित व्यक्ति अपने पिता की दवाई लाने के लिए बहरोड़ गया हुआ था। महिला के बार-बार आग्रह के चलते महिला ने नीमराना थाने के पीछे सोसाइटी में फ्लैट दिखाने के बहाने फ्लैट पर ले गई। कमरे का दरवाजा बंद कर कपड़े फाड़ कर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने की बात कह कर रुपए की डिमांड की। पीड़ित व्यक्ति से तुरंत महिला ने 5हजार रूपये नगद एवं

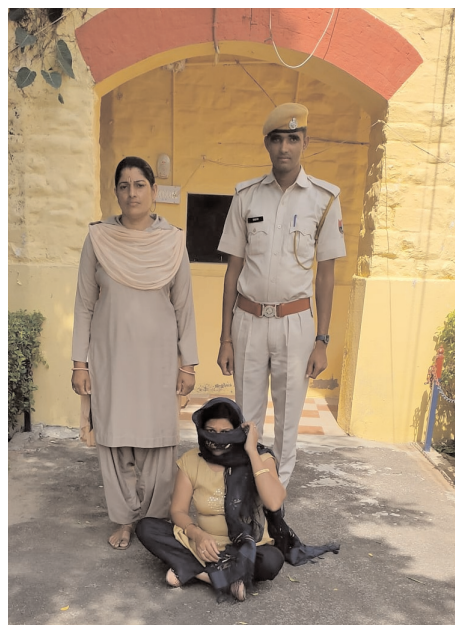

20हजार रूपये फोन पे करवा लिए और अन्य रूपये 3लाख की डिमांड की। महिला के द्वारा बार-बार फोन कर मामला दर्ज कराने की धमकी देकर रूपये की डिमांड करते रहे ।तब डर के कारण 2.5लाख रूपये का चेक ले लिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू करते हुए महिला शालू गुप्ता को गिरफ्तार किया।

पीड़ित व्यक्ति आर्मी से रिटायर्ड एवं खाद बीज की दुकान चलाता है

पीड़ित व्यक्ति जाट बहरोड गांव में खाद बीज की दुकान कर रखी है। वही आर्मी से रिटायर्ड है ।महिला शालू व्यक्ति की दुकान पर जाकर रुपयों की डिमांड की गई ।जिससे व्यक्ति लोक लाज के डर से भयभीत होकर 2.5 लाख रूपये का चेक दे दिया गया।

शाहजहांपुर पुलिस ने अभियुक्ता महिला से 2.5लाख रूपये बरामद कर लिए है।

अभियुक्ता महिला शालू गुप्ता पर पहले भी हैनिट्रेप का मामला दर्ज है

शातिर महिला लोगों को फोन कर झांसे में फंसाकर ऐंठती थी मोटी रकम

पुलिस ने बताया कि शातिर महिला अनजान लोगों के फोन पर फोन कर मीठी बातें कर अपनी बातों में फंसाकर शारीरिक संबंध बनाकर बलात्कार के मुकदमे में फंसाकर मोटी रकम ऐंठती है। शातिर महिला के खिलाफ पूर्व में हनी ट्रैप का प्रकरण भी दर्द है

कार्रवाई के लिए गठित की गई टीम।

1.विक्रम सिंह चौधरी थाना प्रभारी, 2.पविंद्र सिंह हेड कांस्टेबल,
3.सतवीर सिंह हेड कांस्टेबल,
4हरिओम सिंह कांस्टेबल,
5.महिला कांस्टेबल सरोज,
6.अमित कुमार कांस्टेबल
7 हनुमान कांस्टेबल की टीम ने कार्रवाई करते हुए सफलता हासिल की।

रामस्वरूप यादव को न्याय दिलाने के लिए ओबीसी अधिकारी रैली निकाली

मरुधर विशेष/ कैमरामैन शिवम रैकवार के साथ संवाददाता बृजेंद्र

पत्रा /शाहनगर। आज ओबीसी महासभा के बैनर तले आज शाह नगर में धरना प्रदर्शन व ज्ञापन दिया गया आपको बता दे कि बीते दिवस आमा शाह नगर निवासी राम स्वरूप यादव के खिलाफ ब्राह्मण समाज ने एफआईआर दर्ज कराई थी की इनके द्वारा ब्राह्मण समाज को लेकर टिप्पणी की गई अतः इसमें रामस्वरूप यादव की फेसबुक आईडी हैक कर ली गई थी जिसमें किसी ने ब्राह्मण विरोधी पोस्ट की थी।। इसके लिय रामस्वरूप ने पोस्ट डिलीट करते हुए माफी भी मांगी गई लेकिन ब्राह्मण समाज के कुछ तथाकथित राजनैतिक लोगों ने अपनी राजनीति चमकानें के चक्कर में रामस्वरूप यादव पर जबरदस्ती मुकदमा दर्ज कराया

जिसके खिलाफ आज ओबीसी महासभा ने ज्ञापन दिया और मांग की गई की रामस्वरूप पर फर्जी मुकदमा वापस लिया जाए अगर मुकदमा वापिस नही हुआ तो ओबीसी महासभा आंदोलन करने को बाध्य होगा जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।।

ज्ञापन सौंपने में ओबीसी महासभा के संभागीय अध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह लोधी,ओबीसी महासभा के जिलाध्यक्ष त्रिलोक सिंह यादव,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष राम भगत कुशवाहा,रामपाल लोधी,नारायण प्रजापति,इंद्रपाल लोधी, आनंद यादव जिला मंत्री यादव समाज,अनुराग यादव तहसीलअध्यक्ष,संदीप यादव वीर अहीर निर्माण सेना जिलाध्यक्ष,अजय यादव उप सरपंच,आशाराम साहू,धीरज बैन,नत्थू यादव,संतोष यादव, नरेश ,बृजगोपाल, कृष्णपाल,सुखदेव, युधिष्ठिर,भूरा आदिवासी, बलि आदिवासी, शंकर सिंह ठाकुर, राम सजीवन,त्रिलोक यादव,नीरज अहिरवार,अरूणपाल चौधरी,चंद्रप्रताप चौधरी, देवीदीन अहिरवार,भजन चौधरी,ब्रजेश रजक,कमल यादव तमाम संख्या में sc st obc के लोग शामिल रहे।।

स्वप्न

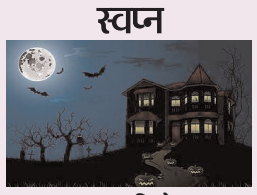

मरुधर विशेष

दिखा स्वप्न वह खौफनाक था
दर्दनाक थी बाते !
प्यासा मै पानी बिन तड़पा ,
गगरी खाली पड़ी थी घर में !
दूजे के घर दौड़ा मै ,
अपनी प्यास मिटाने !
थी आशाए टूटी मेरी ,
मिली ना थी पानी की बुदे !
मै दौड पड़ा कुए के पास ,
अपनी प्यास मिटाने !
दिखा न था पानी का दर्पण ,
जिस कुए के था मैं पास !
दिखी न थी कौवे की गगरी
दिखा न था बारिश का पानी ,
दिखी न थी नहरे और नाली ,
दिखा न था कीचड का पानी !
तड़प उठा था मै इस जग में '
जब नीद्रासन से नीद खुली !
दिखा स्वप्न वह खौफनाक था!
दर्दनाक थी बाते !

आनंद विशेष शर्मा
नई दिल्ली

कुशलगढ़ की नेहा राव ने गोविंद गुरु जनजातिय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा में उपाध्यक्ष पद पर एबीवीपी से परचम लहराया

कुशलगढ़।

बांसवाड़ा गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में पहली बार छात्रसंघ चुनाव हुए। गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव में एबीवीपी प्रत्याशियों ने सभी पदों पर जीत हासिल की है। एबीवीपी से उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद कुशलगढ़ पहोंचने पर गणपति मंदिर व अंबा माता मंदिर पर माथा टेका।उस के पश्चात पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर,बीजेपी नगर मंडल अध्यक्ष जिनेन्द्र सेठिया,नपा अध्यक्ष बबलू मईडा, नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी विद्यानिकेतन विद्यालय के प्राचार्य केलाशजी राव(नेहा राव के पिताजी),शिवाजी मंच के पंकज दोशी,बीजेपी महामंत्री दिलीप टेलर,कमलेश टेलर,राहुल भटेवरा,पत्रकार ललित गोलेछा,अशोक जोशी, पार्षद संजय चौहान, महावीर कोठारी,राहुल सोनी,राहुल भोई, महेन्द्र शाह,मनोहर गादिया,पिंटू राठौड़,बीजेपी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष दीपसिंह वसुनिया, पेंसनर समाज के नरेश त्रिवेदी, कालू सिंह देवदा, नम्रता जैन आदिने फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी की ओर से अध्यक्ष पद

के प्रत्याशी सुनील शेरावत ने 180 वोट हासिल किए हैं।जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राहुल डामोर को महज 82 वोट मिले हैं। तीसरे प्रतिद्वंद्वी भगवती लाल कटारा को 51 वोट ही हासिल हुए। वहीं, एबीवीपी की ओर से उपाध्यक्ष पद की उम्मीदवार नेहा राव ने 193 वोट लेकर जीत हासिल किया। उनके प्रतिद्वंद्वी मुन्ना को 106 वोट मिले। सलोनी टेलर ने 176 वोट लेकर महासचिवजीत हासिल किया। उन्होंने कैलाश चंद को 53 वोटों से हराया। कैलाश चंद को 123 वोट मिले। संयुक्त सचिव पद पर अनिल पटेल ने 221 वोट लेकर अपने प्रतिद्वंद्वी मदनी मुकद्दस खान को 147 वोटों से हराया। मदनी मुकद्दस खान को 74 वोट ही मिले हैं।बांसवाड़ा में एनएसयूआई यहां लोकल संगठन एसटीएससी छात्र संगठन के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है।

तिजारा अलवर के गौरी देवी महाविद्यालय से जया सैनी छात्रसंघ अध्यक्ष बनी

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा गौरी देवी कॉलेज से तिजारा की बेटी जया सैनी ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की ।जया सैनी ने अपनी प्रतिद्वंदी आरती को 118 मतों से हराकर जीत हासिल की जया सैनी का तिजारा में आगमन होने पर दीवान वाला चौक पर भव्य स्वागत किया गया लोगों ने साफा पहनाकर वह शॉल उड़ाकर सम्मान सत्कार किया व पटाखे बजाकर गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जिसमें सैनी समाज के प्रधान कृष्ण सैनी ,इंदर सिंह दहिया, चिराग सैनी ,पप्पू सैनी ,फूल सिंह सैनी ,जेपी प्रधान ,पुरुषोत्तम सैनी ,निरंजन सेन, अविनाश सैनी आदि लोग मौजूद रहे।

तिजारा कस्बे के राजकीय महाविद्यालय में अरुण कुमार बने अध्यक्ष अपने प्रतिद्वंदी आबिद खान को 57 वोटों से पराजित किया अरुण कुमार को मिले 167 मत जबकि निर्दलीय प्रत्याशी आबिद खान 110 मत मिले चुनाव प्रभारी सुभाष ने बताया कि उपाध्यक्ष पद पर अजय चंदेला महासचिव मोनिका संयुक्त सचिव मीनू सैनी विजई रहे छात्रों ने रंग गुलाल लगाकर वह डीजे बजा कर खुशी मनाई महाविद्यालय की मतगणना के समय तिजारा थाना अधिकारी राजपाल सिंह यादव डीएसपी प्रेम बहादुर सिंह तहसीलदार बसंत परसोया आदि अधिकारी लोग मौजूद रहे।

राजकीय महाविद्यालय कठूमर में पहली बार हुए छात्रसंघ चुनाव में पारस जाटव ने अध्यक्ष पद पर किया कब्जा

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजकीय महाविद्यालय कठूमर में शनिवार को छात्रसंघ चुनाव 2022 के चुनाव परिणाम मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रामनाथ खोरवाल ने घोषित किए। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष पद पर पारस जाटव 7 मतों से विजयी, उपाध्यक्ष पद पर अंकिता देवी 8 मतों से विजयी, महासचिव पद पर नीतीश कुमार 73 मतों से विजयी एवं संयुक्त सचिव पद पर अखिलेश वर्मा 10 मतों से विजयी घोषित किए गए । महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. सुभाष चंद पालीवाल ने बताया कि मतगणना एवं चुनाव कार्य शांति पूर्ण रुप से संपन्न हुए एवं समस्त निर्वाचन समिति एवं पुलिस प्रशासन का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ इसके लिए सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार तथा सभी निर्वाचित प्रत्याशियों को महा विद्यालय परिवार की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

विधायक बैरवा ने कठूमर कॉलेज में एनएसयूआई के चारों पदाधिकारी निर्वाचित होने पर दी बधाई

मरूधर विशेष

कठूमर । दिनेश लेखी। विधायक बाबूलाल बैरवा ने राजकीय महाविद्यालय में एनएसयूआई के पैनल की जीत होने पर बधाई दी। जिसमें अध्यक्ष पद पर पारस जाटव ने कब्जा कर समाज का नाम रोशन किया। नवनिर्वाचित छात्र संघ अध्यक्ष पारस जाटव ने बताया कि चुनाव में विजय प्राप्त होते ही समाज के गणमान्य लोगों के साथ खेड़ली स्थित विधायक आवास पर विधायक बाबूलाल बैरवा का आशीर्वाद लेने पहुंचे अध्यक्ष पारस जाटव सहित चारों पदाधिकारी जिनकी जीत एनएसयूआई पैनल से हुई। इसमें विधायक ने फूल मालाओं फूलों का हार पहना कर चारों पदाधिकारियों अध्यक्ष पारस जाटव, उपाध्यक्ष अंकिता देवी, महासचिव नीतीश कुमार, संयुक्त सचिव अखिलेश वर्मा का किया स्वागत सम्मान। इधर विधायक पुत्र एवं राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त विकास आयोग के उपाध्यक्ष अवधेश बैरवा ने सभी नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं निर्वाचित सभी चारों पदाधिकारियों ने अवधेश बैरवा का स्वागत किया। इस मौके पर अवधेश बैरवा ने चारों पदाधिकारियों को 2100-2100 रूपये का पुरस्कार दिया।और जीत की बधाई दी इस मौके पर छात्र नेता एवं युवा कार्यकर्ता और समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बानसूर राजकीय कॉलेज के छात्र संघ चुनाव में निर्दलीयों ने बाजी मारी

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर के राजकीय कॉलेज में तीन पदों पर हुए चुनाव को लेकर आज परिणाम घोषित किए गए। जिसमें अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव में निर्दलीय राहुल यादव 51 मतों से विजय घोषित किए गए। निर्दलीय राहुल को 190 मत मिले। वहीं एबीवीपी की ममता बाई को 139 मत मिले। निर्दलीय राहुल यादव 51 मतों से विजय घोषित किए गए। उपाध्यक्ष पद पर निर्दलीय साहिल मीणा 86 मतों से विजय घोषित किए गए। निर्दलीय साहिल मीणा को 193 मत मिले। वहीं एबीवीपी के हरीश सैनी को 107 मत मिले। वहीं महासचिव पद पर निर्दलीय पूजा कुमारी 75 मतों से विजय घोषित किए गए। निर्दलीय पूजा कुमारी को 187 मत मिले। वहीं एबीवीपी के कृष्ण कुमार को 112 मत मिले । संयुक्त महा सचिव पद पर कोमल सैनी निर्विरोध निर्वाचित की गई। संयुक्त महा सचिव पद के लिए एबीवीपी के सचिन यादव ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया था। जिस पर निर्दलीय कोमल सैनी निर्विरोध निर्वाचित घोषित हो गई थी। वहीं आज मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी विजेता प्रत्याशियों को शपथ दिलाई और जीत के प्रमाण पत्र दिए गए। वहीं मतगणना के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुबह से ही डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा, बानसूर थाना अधिकारी राजकुमार राजौरा, हरसौरा थाना प्रभारी तारा चन्द शर्मा सहित क्यूआरटी के जवान और भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

कठूमर में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों का होगा आयोजन

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। कठूमर ब्लॉक में 29 अगस्त सोमवार को ग्रामीण खेल ओलंपिक प्रतियोगिताओ का उदघाटन पचायत समिति परिसर में होगा। सदस्य सचिव आयोजन समिति ग्रामीण ओलंपिक पीईईओ विराज चौहान ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक 2022 खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसका कठूमर पंचायत समिति परिसर में 29 अगस्त सोमवार को प्रातः नौ बजे शुभारंभ किया जाएगा पहली बार राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलो के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर उत्साह उमंग से आयोजन की तैयारी की जा रही है। राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों के लिए सभी अधिकारियों की पूर्ण जिम्मेदारी सुनिश्चित कर सफल आयोजन के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत पर सरपंच वार्ड पंच पंचायत समिति सदस्य एवं आदि जनप्रतिनिधियों, भामाशाह व उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आमंत्रण पत्र दिया।